धनबाद, बुधवार
26 अगस्त 2026
वर्ष : 03 अंक : 326
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

टूथ पथ

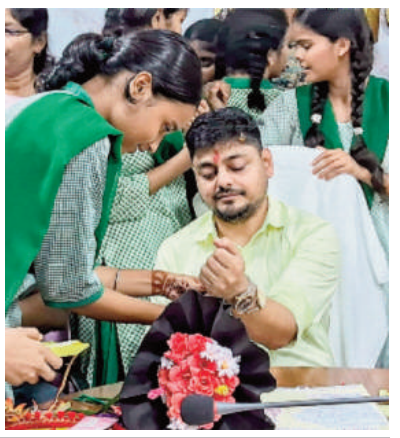

ब्रीफ न्यूज

राष्ट्रपति ने ईद-ए-मिलाद-उन-नबी की पूर्व संध्या पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को ईद-ए-मिलाद-उन-नबी की पूर्व संध्या पर देशवासियों, विशेषकर मुस्लिम समुदाय के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व पैगंबर मुहम्मद के उपदेशों को स्मरण करने और उनके बताए सदाचार तथा कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा लेने का है।

राष्ट्रपति ने अपने संदेश में भारत और विदेशों में रह रहे सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ईद-ए-मिलाद-उन-नबी का पर्व पैगंबर मुहम्मद के उपदेश को स्मरण करने का अवसर है। उनकी शिक्षाएं लोगों को सदाचार और कर्तव्य की भावना को अपनाने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि पैगंबर मोहम्मद के जीवन के उच्च आदर्श देशवासियों को एक समावेशी और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करें।

ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए कोयला कारोबारी एलबी सिंह के भाई और साला, 20-20 दिन का मांगा समय

रांची, (एजेंसी) : कोयला कारोबारी एलबी सिंह के भाई विश्व विजय सिंह और साला रंजीत कुमार सिंह मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। दोनों ने ईडी को पत्र भेजकर पूछताछ के लिए 20-20 दिन का अतिरिक्त समय मांगा है। विश्व विजय सिंह को 25 अगस्त और रंजीत कुमार सिंह को 24 अगस्त को ईडी के समक्ष उपस्थित होना था।

बताया गया कि निर्धारित तिथि पर दोनों में से कोई भी ईडी कार्यालय नहीं पहुंचा। इसके बजाय दोनों की ओर से ईडी को पत्र भेजकर निर्धारित समय पर उपस्थित होने में असमर्थता जताई गई और 20-20 दिन का समय देने का अनुरोध किया गया।

यह दूसरी बार है जब विश्व विजय सिंह और रंजीत कुमार सिंह ने ईडी से पूछताछ के लिए समय मांगा है। इससे पहले दोनों ने एक-एक महीने का समय देने का अनुरोध किया था। उनके आवेदनों पर विचार करने के बाद ईडी ने उन्हें एक-एक सप्ताह का समय दिया था।

कश्मीर में तीन अलग-अलग अभियानों में आठ 'ओवरग्राउंड वर्कर' गिरफ्तार

श्रीनगर, (एजेंसी) : सुरक्षाबलों ने कश्मीर में तीन अलग-अलग अभियानों के दौरान आठ 'ओवरग्राउंड वर्कर' (आतंकी सहयोगियों) को गिरफ्तार किया है।अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस और सेना के जवानों ने शोपियां जिले के इमामसाहिब इलाके में एक बाग में संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने नजीर अहमद वानी के बाग से एक ग्रेनेड, दो एके मैगजीन, चार मोबाइल फोन और एक प्रतिबंधित आतंकी संगठन के पोस्टर बरामद किए और तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया। इन तीन संदिग्ध ओवरग्राउंड वर्करों की पहचान आशिक हुसैन कुमार, आरिफ कुमार और हैरिस मंजूर के तौर पर हुई है।सुरक्षाबलों ने सोमवार देर रात शोपियां जिले से भी तीन ओजीडब्लू को गिरफ्तार किया था। तलाशी के दौरान उनके पास से दो हैंड ग्रेनेड और हिज्बुल मुजाहिदीन आतंकी संगठन से जुड़ी कुछ आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। गिरफ्तार लोगों की पहचान जुनैद अहमद डार, आमिर यूसुफ और जुनैद मुजफ्फर के तौर पर हुई है।अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा संबंधी मिली जानकारी के आधार पर यारवान जंगल इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान' चलाया गया।

सरकारी भर्तियों की मांग को लेकर पटना में छात्रों का उग्र प्रदर्शन, बैरिकेडिंग तोड़ी, वाटर कैनन से रोका मार्च

पटना(एजेंसी) : बिहार में सरकारी भर्तियों को लेकर छात्रों का आंदोलन मंगलवार को उग्र हो गया। पटना के गर्दनीबाग में 18 अगस्त से धरने पर बैठे छात्रों ने मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के लिए मार्च निकाला। ऑल बिहार स्टूडेंट यूनियन (एबीएसयू) के छात्र नेता अमन गुट के नेतृत्व में निकले इस मार्च को रोकने के लिए प्रशासन ने जेपी गोलंबर पर भारी संख्या में पुलिस बल और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों की तैनाती की थी।

मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों ने जेपी गोलंबर पर लगाए गए बैरिकेडिंग को तोड़ दिया और डाकबंगला की ओर आगे बढ़ने का प्रयास किया। इस दौरान छात्रों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक और तनातनी की स्थिति उत्पन्न हो गई। गांधी मैदान से लेकर इनकम टैक्स गोलंबर तक कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच भिड़ंत की सूचना है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया।

गर्दनीबाग में पिछले कई दिनों से धरना दे रहे छात्र अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। मंगलवार को छात्रों ने धरना स्थल से मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च शुरू किया। प्रशासन ने पहले ही जेपी गोलंबर सहित प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी थी।

छात्र जैसे ही जेपी गोलंबर पहुंचे, पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग कर दी। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग हटाकर आगे बढ़ने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस और छात्रों के बीच टकराव की स्थिति बन गई। पुलिस और सीआरपीएफ की टीमें छात्रों को आगे बढ़ने से रोकने में जुटी रहीं।

प्रदर्शन के कारण पटना के कई प्रमुख मार्गों पर तनाव की स्थिति बनी हुई है और यातायात भी प्रभावित होने की सूचना है।

आंदोलन कर रहे छात्रों की प्रमुख मांग बीपीएससी टीआरई-4 शिक्षक भर्ती परीक्षा की प्रक्रिया को सरल और स्पष्ट करना है। छात्रों की मांग है कि टीआरई-4 में एक ही परीक्षा के माध्यम से प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) और मुख्य परीक्षा (मेंस) की प्रक्रिया पूरी की जाए।

छात्रों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया को इस तरह बनाया जाना चाहिए कि अभ्यर्थियों को बार-बार अलग-अलग परीक्षाओं में शामिल नहीं होना पड़े। उनका तर्क है कि इससे भर्ती प्रक्रिया लंबी होने के साथ अभ्यर्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक और मानसिक दबाव भी पड़ता है। इसके साथ ही छात्र टीआरई-4 भर्ती प्रक्रिया में नेगेटिव मार्किंग खत्म करने और परीक्षा प्रक्रिया को अधिक स्पष्ट बनाने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारी छात्रों की एक प्रमुख मांग बिहार की सरकारी नौकरियों में 100 प्रतिशत डोमिसाइल नीति लागू करने की भी है। छात्रों का कहना है कि राज्य की सरकारी नौकरियों में बिहार के स्थानीय अभ्यर्थियों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

छात्रों ने बिहार कर्मचारी चयन आयोग (बीएसएससी) से संबंधित भर्ती प्रक्रियाओं में भी बदलाव की मांग उठाई है। इनमें संविदा कर्मचारियों को मिलने वाला वेटेज समाप्त करने की मांग शामिल है।

छात्रों ने बीएसएससी सीजीएल-4, बीएसओ और एईडीओ परीक्षाओं की तारीख जल्द जारी करने की मांग की है। उनका कहना है कि विभिन्न भर्ती परीक्षाओं की तारीख और परीक्षा कैलेंडर को लेकर स्पष्टता नहीं होने से अभ्यर्थियों को लगातार अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने लाइब्रेरियन और बिहार पात्रता परीक्षा से जुड़ी भर्ती प्रक्रिया शुरू करने तथा विभिन्न सरकारी विभागों में लंबे समय से खाली पड़े पदों को जल्द भरने की मांग भी उठाई है।

छात्रों ने सरकारी भर्ती परीक्षाओं में उम्र सीमा में छूट देने की भी मांग की है। आंदोलनकारी अभ्यर्थियों का कहना है कि लंबे समय से नियमित भर्ती प्रक्रिया नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में अभ्यर्थी निर्धारित आयु सीमा से बाहर हो रहे हैं।

छात्रों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में देरी का खामियाजा उन युवाओं को भुगतना पड़ रहा है, जिन्होंने वर्षों से सरकारी नौकरी की तैयारी की है। ऐसे अभ्यर्थियों के लिए उम्र सीमा में उचित छूट दी जानी चाहिए।

आंदोलनकारी छात्रों ने दरोगा, सिपाही, बीएसएससी और बीपीएससी समेत सभी भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है। छात्रों का कहना है कि भर्ती परीक्षाओं की प्रक्रिया समयबद्ध, निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए। परीक्षा से लेकर परिणाम और नियुक्ति तक हर चरण के लिए स्पष्ट समयसीमा तय की जानी चाहिए, ताकि अभ्यर्थियों को लंबे समय तक अनिश्चितता में न रहना पड़े।

मंगलवार को प्रदर्शन के दौरान छात्र लगातार डाकबंगला की ओर बढ़ने की कोशिश करते रहे, जबकि पुलिस और सीआरपीएफ की टीमें उन्हें आगे जाने से रोकती रहीं। बैरिकेडिंग तोड़े जाने और पुलिस की कार्रवाई के बाद कई स्थानों पर तनाव की स्थिति बनी रही। फिलहाल प्रदर्शनकारी छात्रों और सुरक्षा बलों के बीच गतिरोध बना हुआ है।

मुख्यमंत्री से सरायकेला-खरसावां जिला शतरंज संघ के प्रतिनिधियों ने की मुलाकात

टूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में सरायकेला-खरसावां जिला शतरंज संघ के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की।इस दौरान मुख्यमंत्री को झारखण्ड राज्य के सरायकेला- खरसावां जिला में आयोजित होने वाले चीफ मिनिस्टर्स ट्रॉफी झ इंटरनेशनल ग्रैंडमस्टर शतरंज चैंपियनशिप- 2026 के आयोजन के संबंध में अवगत कराया गया।

भारतीय शतरंज संघ (एआइसीएफ) एवं झारखंड शतरंज संघ (एसकेडीसीए) के संयुक्त तत्वावधान में दिसम्बर 2026 में प्रस्तावित यह चैम्पियनशिप स्मृति शेष पद्मश्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती को समर्पित है। प्रतिनिधिमंडल में एसकेडीसीए के अध्यक्ष मनोज कुमार, उपाध्यक्ष लक्ष्मण टुडू, शैलेंद्र कुमार और अभिषेक दास शामिल थे।

नौसेना दूसरे स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल निपुण को कमीशन करने के लिए तैयार

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारतीय नौसेना 31 अगस्त को मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में निस्तार श्रेणी के दूसरे डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) निपुण को अपने समुद्री बेड़े में शामिल करेगी। इसके शामिल होने से नौसेना की गहरे समुद्र में गोताखोरी और पानी के नीचे सहायता क्षमताओं में अहम बढ़ोतरी होगी। यह जहाज निर्माण से लेकर ऑपरेशनल सर्विस तक के सफर में नए अध्याय की शुरूआत होगी।

विशाखापत्तनम के हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड में डिजाइन और निर्मित 'निपुण' डिफेंस शिपबिल्डिंग में भारत की आत्मनिर्भरता की कोशिश में मील का पत्थर है। आउटफिटिंग और ट्रायल के एक बड़े प्रोग्राम के पूरा होने के बाद यह वेसल 30 जुलाई, 2026 को भारतीय नौसेना को सौंपा गया था। यह खासतौर पर बनाया गया प्लेटफॉर्म है, जिसे डाइविंग और पानी के अंदर के कई तरह के ऑपरेशन में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह जहाज आधुनिक डाइविंग सिस्टम और पानी के अंदर दखल देने की क्षमताओं से लैस है, जिससे समुद्र में

मुश्किल हालात में काम करने वाले गोताखोरों को लगातार मदद मिलेगी। यह सबमरीन रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद करने की नौसेना की क्षमता को भी बढ़ाएगा।

जहाज में नेविगेशन, प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट और सटीक स्टेशन कीपिंग के लिए मॉडर्न सिस्टम हैं। साथ ही डाइविंग, पानी के अंदर दखल और मेडिकल सपोर्ट के लिए खास सुविधाएं भी हैं। ये क्षमताएं निपुण को सतह के नीचे मुश्किल ऑपरेशन के लिए एक इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करने में मदद करती हैं। 'निपुण' की कमीशनिंग से नौसेना की भारत के समुद्री इलाकों में खास डाइविंग और पानी के अंदर मिशन करने की क्षमता और मजबूत होगी। इस देश में बने प्लेटफॉर्म का शामिल होना देश के शिपबिल्डिंग इकोसिस्टम की बढ़ती क्षमता को भी दिखाता है, ताकि नौसेना की ऑपरेशनल जरूरतों को पूरा करने के लिए टेक्नोलॉजी के हिसाब से एडवांस और खास जहाज बनाए जा सकें।

नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने बताया कि जहाज पर लगा क्रेस्ट डाइविंग सपोर्ट वेसल के तौर पर जहाज की मुख्य भूमिका और गहरे समुद्र में डाइविंग से जुड़ी हिम्मत, धीरज और प्रोफेशनल काबिलियत को दिखाता है।

झारखंड कैबिनेट का बड़ा फैसला: डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति उम्र 67 से घटाकर 65 वर्ष की

रांची, (एजेंसी) : झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने प्रदेश के डॉक्टरों की सेवा उम्र सीमा को 67 वर्ष से घटाकर 65 करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में हुई कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया। कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना डाडेल ने पत्रकारों को दी।

उल्लेखनीय है कि कोरोना काल में डॉक्टरों की कमी और जरूरत को देखते हुए उनकी सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा में दो साल की बढ़ोतरी कर दी गई थी।

इसके अलावा राज्य के सरकारी अस्पताल और स्वास्थ्य केन्द्रों में डॉक्ट्रर और विशेषज्ञ डॉक्टरों के खाली पद पर संविदा आधारित नियुक्ति नियमावली-2026 के गठन की स्वीकृति दी गई।

राज्य के सभी 606 थानों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

कैबिनेट में राज्य के सभी 606 थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया गया। सीसीटीवी कैमरा लगाने पर लगभग 90 करोड रुपये की राखि खर्च की जाएगी।

खुलेंगे 100 नए सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस

राज्यर में आदर्श विद्यालय योजना के अंतर्गत पूर्व से संचालित 80 विद्यालयों के अतिरिक्त राज्य के 100 विद्यालयों को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय (सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस) के रूप में विकसित करने की स्वीकृति दी गई। इसके लिए 07 अरब 21 करोड रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

डॉ शशि भूषण वर्मा, बर्खास्त भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी (चलन्त), लोहरदगा को चारा घोटाले से संबंधित काण्ड संख्या आरसी 59 (ए)/96-पैट में दोषसिद्धि के बाद सेवा बर्खास्त के निर्णय को झारखंड उच्च न्यायालय के पर संशोधित करने की स्वीकृति दी गई। वज्रपात और ग्रीष्म लहर (हीट वेव) को गृह मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से चिन्हित प्राकृतिक आपदा की सूची में शामिल करने के बाद इन आपदाओं को झारखंड राज्य की विशिष्ट स्थानीय आपदा की सूची से हटाने का निर्णय लिया गया।

राज्य में विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण): वीबी-जी राम जी (विकसित भारत-जी राम जी) योजना की स्वीकृति दी गई।

धनबाद जिला के अंचल-बलियापुर, मौजा आसनबनी के कुल 3.43 एकड़ की भूमि 5.39 करोड रुपये पर तसरा ओपेन कास्टे कोयला खनन परियोजना से विस्थापित होने वाले परिवारों के पुनर्विकास के लिए सेल को देने का निर्णय लिया गया।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर में एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए और मेडिकल कॉलेज में नए स्नातकोत्तर विषयों की शुरूआत और स्नातकोत्तर सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए 3.93 अरब रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति के प्रस्ताव और इसे लेकर भारत सरकार से एमओयू करने स्वीकृति दी गई।शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज, धनबाद में एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए तथा मेडिकल कॉलेज में नए स्नातकोत्तर विषयों की शुरूआत और स्नातकोत्तर सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए 4.95 अरब रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति और भारत सरकार से एमओयू करने का निर्णय लिया गया।झारखंड म्यु निसिपल रेग्यु लेशन फोर इश्यू ऑफ नो ऑब्जेक्शकन सर्टिफिकेट फोर फूड बिजनेस ऑपरेटर्स इंगेज्ड इन मैन्यूफ्रैचर प्रोसेसिंग स्टोडरिंग एंड सेलिंग ऑफ मीट एंड मीट प्रोडक्टसस-2026 की स्वीकृति दी गई।

एक क्लिक पर डॉक्टर, दवा और अस्पताल की सुविधाओं की जानकारी मिलेगी: स्वास्थ मंत्री

रांची (एजेंसी) : झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर से और अधिक मजबूत, आधुनिक, हाईटेक एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। राज्य के सभी जिलों के सदर अस्पतालों को डिजिटल सेवाओं एवं ऑनलाइन व्यवस्था से जोड़ने की प्रक्रिया का मंगलवार को विधिवत शुभारंभ किया गया।इसी क्रम में नेपाल हाउस, रांची में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की मौजूदगी में रॉडिक कंपनी के साथ एमओयू किया गया। इस पहल का उद्देश्य अस्पतालों की कार्यप्रणाली में आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग करते हुए मरीजों एवं उनके परिजनों को अस्पताल से संबंधित आवश्यक एवं महत्वपूर्ण जानकारियां एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सहज, सरल और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना है।

नई डिजिटल व्यवस्था लागू होने के बाद सदर अस्पतालों में डिजिटल बोर्ड एवं ऑनलाइन माध्यम से मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं की जानकारी मिल सकेगी। अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाएं, ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों की जानकारी, उपलब्ध दवाओं की स्थिति तथा अन्य आवश्यक सूचनाओं को

डिजिटल माध्यम से प्रदर्शित करने की व्यवस्था विकसित की जाएगी।इससे मरीजों और उनके परिजनों को जानकारी के लिए अलग-अलग काउंटरों एवं विभागों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम होगी। एक ही स्थान पर आवश्यक जानकारी उपलब्ध होने से समय की बचत होगी और अस्पताल आने वाले लोगों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी।स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा का मतलब केवल अस्पतालों का निर्माण और इलाज उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि मरीज को सही समय पर सही जानकारी और गुणवत्तापूर्ण सेवा उपलब्ध कराना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक सुगम, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के जलवायु परिवर्तन राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) के अन्तर्गत राष्ट्रीय जल मिशन की ओर से निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए जल क्षेत्र का राज्य विनिर्दिष्ट कार्य योजना (एसएसएपी) तैयार करने के लिए एआईएच रूडकी के साथ एमओयू करने की स्व कृति दी गई।

झारखण्ड न्यायालय शुल्क विधेयक, 2026 के प्रारूप को अनुमोदन देने और कोर्ट फीस एक्ट 1870 को राज्य में निरस्त करने की स्वीकृति दी गई।

पलामू व्याघ्र आरक्ष के कोर क्षेत्र से स्वैच्छिक पुनर्वास के बाद पुनर्वास के लिए इस्तेछमाल वनभूमि को वन अधिसूचना से हटाकर राजस्व भूमि में रूपांतरित करने और पुनर्वासित परिवारों के पक्ष में रैयती बंदोबस्ती सुनिश्चित करने का फैसला लिया गया।

पथ प्रमंडल, चाईबासा अन्तर्गत असुरा से कुमारडुंगी रोड से बर्लंडिया रोड तक 38.65 किमी के निर्माण के लिए 29.87 करोड़ रुपये की मात्र की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

पथ प्रमंडल, चतरा अन्तर्गत हजारीबाग कटकमसाण्डी चतरा पथ 24.80 किमी सडक निर्माण के लिए 25.52 करोड रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

मनोहरपुर अन्तर्गत पिंडी से गीरूगुदड़ी भाया गंजाना, सोकदा, बड़ाकैसील पथ 19.149 किमी के निर्माण के लिए 01 अरब 14 करोड रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

रामगढ़ अन्तर्गत बरलंगा से गोलामुरी पथ 4.830 किमी सडक निर्माण के लिए 56.85 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

पथ प्रमंडल, गिरिडीह अंतर्गत बरगंडा चौक से कॉलेज मोड़ भाया पावर हाऊस पथ 2.715 किमी के सडक निर्माण के लिए 30.45 करोड़ रुपये प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर रांची सहित देशभर में होगा खेलो इंडिया संवाद, 8 लाख युवाओं से जुड़ेंगे प्रधानमंत्री

रांची, (एजेंसी) : राष्ट्रीय खेल दिवस इस वर्ष 29 अगस्त के बजाय 27 अगस्त को विशेष रूप से मनाया जाएगा। इस संबंध में मोरहाबादी स्थित राज्य कार्यालय में मेरा युवा भारत की निदेशक ललिता कुमारी ने मंगलवार को बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस हॉकी के महान खिलाड़ी और देश के गौरव मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। इस वर्ष इसे देशभर में युवा भागीदारी, खेल विकास और राष्ट्र निर्माण के उत्सव के रूप में मनाने की तैयारी है। इसी उद्देश्य से देशभर में ह्यखेलो इंडिया संवादह्ल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश के युवाओं और खिलाड़ियों को एक मंच पर लाना है। इसके तहत देश के प्रत्येक जिले के दो कॉलेजों में ह्ययुवा कनेक्टह्ल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में युवाओं को खिलाड़ियों, सांसदों, विधायकों, मंत्रियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सीधा संवाद का अवसर मिलेगा।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के जरिए युवाओं को पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में खेल क्षेत्र में हुए बदलावों और विकास की जानकारी दी जाएगी। साथ ही युवाओं के विचार, सुझाव और आकांक्षाओं को भी सुना जाएगा। इस कार्यक्रम की सबसे खास बात यह होगी कि 27 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र उन्होंने कहा कि मोदी देशभर के 1600 अलग-अलग स्थानों पर मौजूद 8

लाख से अधिक युवाओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे। रांची के आईएमए समेत तीन स्थानों पर यह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके जरिए देश के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद युवा एक साझा राष्ट्रीय मंच से जुड़ेंगे।

कार्यक्रम में सभी अतिथि और युवा प्रतिभागी सुबह 10 बजे तक निर्धारित स्थल पर पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद स्थानीय स्तर पर युवा संवाद पर फोकस रहेगा। इसमें माई भारत स्वयंसेवक और स्थानीय खिलाड़ियों के बीच संवाद सत्र आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम में मौजूद स्थानीय सांसद, विधायक या मंत्री भी युवाओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद करीब 15 मिनट का 'युवा संवाद' आयोजित होगा, जिसमें युवा अपने विचार, सुझाव और आकांक्षाएं साझा कर सकेंगे।युवा संवाद के चार प्रमुख विषय तय किए गए हैं। इनमें पहला, जमीनी स्तर पर बेहतर खेल सुविधाएं, कोचिंग और अवसर उपलब्ध कराकर खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने, 2036 ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए प्रतिभाओं को विकसित करना तथा वैज्ञानिक तरीके से प्रतिभा पहचान और खिलाड़ियों के विकास पर जोर देने, शासन व्यवस्था में युवाओं की भागीदारी और युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने और विकसित भारत के निर्माण के लिए युवाओं को भविष्य के कौशल, स्वयंसेवा और राष्ट्र निर्माण के अवसरों से जोड़कर उनका सशक्तीकरण करना शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशन भरोसा के तहत 14 गुम मोबाइल बरामद, धारकों को सौंपे

लोहरदगा (एजेंसी) : पुलिस मुख्यालय, झारखंड रांची से प्राप्त दिशा-निर्देश के आलोक में लोहरदगा पुलिस ने ऑपरेशन भरोसा के तहत कार्रवाई करते हुए जिले के विभिन्न स्थानों से गुम हुए 14 मोबाइल फोन बरामद किए। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक, लोहरदगा के निर्देश पर मंगलवार को की गई। पुलिस ने बरामद मोबाइल फोनों का सत्यापन कर उनके वास्तविक स्वामियों की पहचान की। इसके बाद सभी 14 मोबाइल फोन संबंधित धारकों को वापस सुपुर्द कर दिए गए।मोबाइल वापस मिलने पर संबंधित लोगों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। लोगों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए आभार जताया। पुलिस के अनुसार, आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निष्पादन और गुम हुई संपत्ति की बरामदगी को लेकर लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सादीक अनवर रिजवी ने आम लोगों से अपील की कि मोबाइल फोन गुम या चोरी होने की स्थिति में उसे पोर्टल पर अवश्य रजिस्टर कराएं, ताकि मोबाइल को ट्रैक कर बरामद करने की कार्रवाई की जा सके। लोहरदगा पुलिस ने कहा कि आम नागरिकों की सुरक्षा और उनकी संपत्ति की बरामदगी के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है।

देवेंद्र महतो ने झारखंड सरकार को दी चुनौती, निर्दोष छात्रों पर एफआईआर करना बंद करें

हजारीबाग (एजेंसी) : भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा की शुरूआत 24 अगस्त को रामगढ़ जिले के नेमार गांव से हो चुकी है।यात्रा हजारीबाग पहुंचने पर छात्रों ने जोरदार स्वागत किया है। लगभग 1 घंटे के कार्यक्रम में भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा से जुड़े छात्र नेताओं ने अपनी बातों को साझा करते हुए कहा कि अब यह लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। छात्रों को अब पीछे हटने की जरूरत नहीं है।सुप्रीम कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट छात्रों के दर्द को समझ रही है।कोर्ट पर सभी छात्रों को भरोसा है।

सरकार ने कई परीक्षा के दौरान सीट बेचने का काम किया है।जो सरासर गलत है।देवेंद्र नाथ महतो ने इस दौरान सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि निर्दोष छात्रों पर एफआईआर करना बंद करें।अगर एफआईआर करना है तो देवेंद्र नाथ महतो पर करें।छात्रों को सरकार डराने धमकाने का काम नहीं करें।हजारीबाग की धरती आंदोलनकारियों की है। वीरों की धरती को नमन करता हूं। इन्होंने कहा झारखंड में बेहद गलत हो रहा है। संवैधानिक आंदोलन को कुचलना का प्रयास सरकार कर रही है। किसी भी तरह के आश्वासन पर छात्र विश्वास नहीं करने जा रही है।छात्रों को परिणाम चाहिए। इन्होंने कहा कि इस बार ठोस कदम उठाना है।यह यात्रा नहीं है बल्कि संकल्प है। यह यात्रा हजारीबाग से कोडरमा के लिए निकल गई।

एमडीएम बनाने के दौरान गर्म दाल से झुलसी रसोइया, इलाज के लिए विभाग से मदद की गुहार

गुमला (एजेंसी) : गुमला के चैनपुर प्रखंड स्थित बालिका मध्य विद्यालय चैनपुर में मध्याह्न भोजन (एमडीएम) बनाने के दौरान गर्म दाल गिरने से रसोइया प्रबिला खेस झुलस गयी। घटना 12 अगस्त 2026 की है।हादसे के बाद विद्यालय की शिक्षिकाओं और अन्य लोगों ने तत्काल उनकी मदद की।लेकिन अब इलाज का खर्च उठाने में परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।विद्यालय रसोइया-संयोजिका अध्यक्ष संघ ने प्रबिला खेस के इलाज में विभाग या सरकार से आर्थिक सहायता देने की मांग की है।संघ की प्रखंड अध्यक्ष बासमती देवी और जिलाध्यक्ष सह प्रदेश उपाध्यक्ष देवकी देवी ने भी अपनी ओर से आर्थिक सहयोग किया है। संगठन की ओर से बताया गया कि प्रबिला के पति का निधन हो चुका है और उनकी तीन छोटी बेटियां हैं।ऐसे में परिवार के लिए इलाज का खर्च उठाना बेहद मुश्किल है।

संघ की जिलाध्यक्ष सह प्रदेश उपाध्यक्ष देवकी देवी ने बताया कि इस संबंध में उपायुक्त को घटना की तस्वीर और वीडियो भेजे गए हैं।विभाग की ओर से लिखित आवेदन मांगा जाता है तो वह भी उपलब्ध कराया जायेगा।उन्होंने कहा कि रसोइया रोजाना गैस और आग के बीच काम करती हैं, इस लिए इस तरह की घटनाओं का खतरा बना रहता है।उन्होंने सरकार और विभाग से मांग की कि प्रबिला खेस के इलाज में होने वाला पूरा खर्च वहन किया जाए।ताकि आर्थिक तंगी के कारण उनका इलाज प्रभावित न हो।संगठन ने पीड़ित रसोइया के परिवार को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की है।इधर झुलसे के बाद स्कूल परिवार ने कुछ आर्थिक मदद की।परंतु अधिक जलने के कारण इलाज में और पैसों की जरूरत है।

बढ़ते चीनी के दामों के बीच थोक गोदामों का निरीक्षण

पलामू (एजेंसी) : बढ़ते चीनी के दामों के बीच मंगलवार को जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में कृषि बाजार प्रांगण, बैरिया डालटनगंज स्थित चीनी के थोक व्यवसायियों के गोदामों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मेसर्स गौरव ट्रेडिंग, मेसर्स हार्दिक इंटरप्राइजेज, मेसर्स सुनील गोस्वामी, मेसर्स एस.बी. सेल एवं डालटनगंज ट्रेडर्स के गोदामों की जांच की गई।जांच के दौरान व्यवसायियों को प्रतिदिन चीनी की प्राप्ति एवं बिक्री का पंजी संधारित करने, एकरारनामा के अनुसार चिन्हित गोदाम में ही चीनी का भंडारण करने तथा वर्तमान में चीनी की किल्लत को देखते हुए अधिक मूल्य पर बिक्री नहीं करने का निर्देश दिया गया।साथ ही स्टॉक से संबंधित बोर्ड को प्रतिदिन अद्यतन रखने तथा किसी भी परिस्थिति में सात दिनों से अधिक अवधि का चीनी का भंडारण नहीं करने का निर्देश दिया गया।जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा कि चीनी की उपलब्धता एवं कीमतों पर प्रशासन की लगातार नजर है। निर्धारित नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यवसायियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जिला योजना कार्यकारिणी समिति की बैठक में सौ से अधिक योजनाओं का अनुमोदन

पलामू (एजेंसी) : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली जिला योजना कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति द्वारा विभिन्न विभागों की 100 से अधिक योजनाओं का अनुमोदन किया गया।अनुमोदित योजनाओं में पीसीसी सड़क निर्माण, नाली, सड़क, पुल-पुलिया, विद्यालयों की मरम्मती, बोरिंग एवं सीसीटीवी अधिष्ठापन समेत अन्य कार्य शामिल हैं। वहीं, 13 योजनाओं को घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की गई, जिनमें प्रमुख रूप से पेयजल आधारित योजनाएं शामिल हैं।बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 में क्रियान्वित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। कुल 105 योजनाओं में से 33 योजनाएं पूर्ण पाई गईं, जबकि 72 योजनाओं का कार्य प्रगति पर है। उपायुक्त ने सभी लंबित योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने का निर्देश दिया।जिला योजना पदाधिकारी रमण कुमार ने बताया कि जिला अनाबद्ध निधि का मुख्य उद्देश्य जिले में मिसिंग गैप एवं क्रिटिकल गैप को भरना, आधारभूत संरचनाओं का विकास करना तथा पिछड़े क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए क्षेत्रीय विषमता को दूर करना है।बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता समेत जिला योजना कार्यकारिणी समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पुलिस ने किया उद्भेदन,तीन अपराधी गिरफ्तार, 17 चोरी के मोटरसाइकिल बरामद

पूर्वी सिंहभूम (एजेंसी) : जमशेदपुर में वाहन चोरी के एक संगठित गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। गुड़ाबांदा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों से चोरी की गई 17 मोटरसाइकिलें और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस अब बरामद वाहनों के वास्तविक मालिकों की पहचान कर रही है।दरअसल, वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत पुलिस को गुड़ाबांदा थाना क्षेत्र में वाहन चोरी गिरोह के सक्रिय होने की सूचना मिली थी। गुड़ाबांदा थाना प्रभारी कुमार सुमित यादव को गुप्त सूचना मिली कि ज्वालकट्टा स्थित हरिकीर्तन मंडप और मिलनवीथी हाई स्कूल के पास कुछ युवक चोरी की बाइक के साथ मौजूद हैं।सूचना के आधार पर डीएसपी रोहित कुमार

रजवार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी की। कार्रवाई के दौरान तीन युवकों को तीन वाहनों के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने संगठित तरीके से अलग-अलग थाना क्षेत्रों से बाइक और स्कूटी चोरी करने की बात स्वीकार की।गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने कुल 17 मोटरसाइकिलें बरामद कीं। इनमें अधिकांश हीरो स्प्लेंडर प्लस हैं। इसके अलावा पेंशन प्रो और होंडा साइन बाइक भी बरामद हुई हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक एप्पल आईफोन, एक रेडमी और एक पोको स्मार्टफोन भी जब्त किया है।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रभाष महली, उम्र 28 वर्ष, जयप्रकाश महली उर्फ प्रकाश, उम्र 22 वर्ष और सचिन महली, उम्र 23 वर्ष के रूप में हुई है। तीनों गुड़ाबांदा थाना क्षेत्र के चशोल हवेली डुगरीगोड़ा गांव के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, इस मामले के अलावा आरोपियों का कोई अन्य आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है।इस मामले में गुड़ाबांदा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस बरामद वाहनों के वास्तविक मालिकों और अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दर्ज वाहन चोरी के मामलों का मिलान कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और चोरी की घटनाओं के बारे में भी जानकारी सामने आ सकती है।फिलहाल पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। इस कार्रवाई में डीएसपी रोहित कुमार रजवार, थाना प्रभारी कुमार सुमित यादव समेत गुड़ाबांदा थाना की पुलिस टीम शामिल रही।

प्रखंड कार्यालय लोहरदगा में विधायक डॉ रामेश्वर उरांव ने लगाई जनसुनवाई चौपाल, कई समस्याओं का मौके पर किया समाधान

लोहरदगा (एजेंसी) : पूर्व मंत्री सह स्थानीय विधायक एवं आंतरिक संसाधन एवं केंद्रीय सहायता समिति के सभापति डॉ रामेश्वर उराँव लोहरदगा ज़िला अन्तर्गत लोहरदगा प्रखंड मुख्यालय पहुंच जनसुनवाई कार्यक्रम में कार्यकताओं एवं आमजनों से मुलाकात कर विभिन्न समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र के ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे।जनसुनवाई में मुख्य रूप से राशन कार्ड, पेंशन, आवास योजना, जमीन विवाद, पेयजल और सड़क,बिजली ट्रांसफार्मर से जुड़ी समस्याएं सामने आईं। विधायक ने कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया और शेष मामलों के लिए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। इस मौके पर विधायक डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि जनसुनवाई कार्यक्रम सभी प्रखंडों में चलाया जा रहा है और समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किया जा रहा है, हमारा उद्देश्य जनता तक पहुंच कर उनकी समस्याओं को समझना और उसका निराकरण करना है, कोई भी ग्रामीण सरकार की योजनाओं से वंचित न हो पाए इसका पुरजोर प्रयास किया जा रहा है, इसके साथ साथ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर विधायक निधि से भी विभिन्न विकास कार्य कराए जा रहे हैं । ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है।पुल पुलिया का निर्माण किया जा रहा है, सांस्कृतिक उत्थान के लिए अखाड़ा का निर्माण एवं धूमकुड़िया का निर्माण किया जा रहा है

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में डीसी ने दिये आवश्यक निर्देश

पलामू (एजेंसी) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में छात्र एवं शिक्षक उपस्थिति, छात्र नामांकन, आधार एवं अपार, शून्य नामांकन वाले विद्यालय, रेल परफॉर्मेंस, एसएमसी पुनर्गठन, शिक्षक मॉड्यूल, एवं प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान बताया गया कि जुलाई 2026 में पलामू में छात्रों की औसत उपस्थिति 75.5 प्रतिशत रही, जबकि शिक्षक उपस्थिति 88.5 प्रतिशत दर्ज की गई। उपायुक्त श्री शेखावत ने छात्र उपस्थिति में और सुधार लाने के लिए विद्यालय स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग एवं कम उपस्थिति वाले विद्यालयों के कारणों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।जिले में छात्र नामांकन का गैप घटकर 6.37 प्रतिशत रह गया है, जो 23 जुलाई को 9.68 प्रतिशत था।डीसी ने शेष गैप को भी कम करने का निर्देश दिया। वहीं जिले में 73.51 प्रतिशत विद्यार्थियों का आधार सत्यापन एवं 63.82 प्रतिशत विद्यार्थियों की अपार आईडी जनरेट हुई है।उन्होंने अपार आईडी निर्माण में तेजी लाने को कहा।बैठक में जिले के 13 शून्य नामांकन वाले विद्यालयों की भी समीक्षा की गई तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके अलावा ईवीवी पोर्टल पर रेल परफॉर्मेंस, एसएमसी पुनर्गठन, शिक्षक प्रोफाइल एवं मॉड्यूल की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने को कहा गया।प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति की समीक्षा में 97,159 विद्यार्थियों का ई-कल्याण पोर्टल पर नामांकन दर्ज पाया गया। उपायुक्त ने लंबित आवेदनों का शीघ्र सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, बीपीओ सहित शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

खनिज पर टैक्स लगाने का अधिकार राज्यों का संवैधानिक अधिकार, केंद्र की मनमानी के खिलाफ जारी रहेगा संघर्ष : डॉ. रामेश्वर उरांव

लोहरदगा (एजेंसी) : जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा खनिज अधिनियम 2026 के प्रावधानों के खिलाफ संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर केंद्र सरकार के फैसले का व्यापक विरोध किया गया। इसी क्रम में लोहरदगा जिला कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार का यह फैसला झारखंड की जनता के साथ आर्थिक अन्याय है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के खिलाफ कांग्रेस पार्टी का आंदोलन लगातार जारी रहेगा।डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि वर्ष 2024 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय का महत्वपूर्ण निर्णय आया था, जिसमें राज्यों के खनिज अधिकारों पर कर लगाने के अधिकार को स्पष्ट किया गया था। इस निर्णय के आधार पर राज्य सरकार ने कोयला को छोड़कर अन्य खनिजों पर सेस लगाना शुरू किया। उन्होंने कहा कि कोयले के मामले में भारत सरकार और राज्य सरकार दोनों को रॉयल्टी प्राप्त होती है। खनिजों पर सेस से राज्य को वर्ष 2025-26 और 2026-27 में लगभग 13 करोड़ रुपये सालाना की अतिरिक्त आमदनी होने लगी है।डॉ. उरांव ने कहा कि यह जरूरी नहीं कि केंद्र सरकार राज्यों की हर राय को स्वीकार करे, लेकिन संघीय व्यवस्था में किसी महत्वपूर्ण निर्णय से पहले राज्यों से परामर्श किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड को पहले से ही समय पर केंद्रीय सहायता नहीं मिलती है और अब खनिज राजस्व से जुड़े अधिकारों को सीमित करने का निर्णय राज्य के लिए गंभीर आर्थिक चुनौती पैदा करेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि खनिजों पर कर लगाने का अधिकार राज्यों का संवैधानिक अधिकार है और इस अधिकार में कटौती स्वीकार नहीं की जाएगी।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने कहा कि खनिज अधिनियम में किए जा रहे बदलाव झारखंड के संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला हैं। यह झारखंड की अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रहार है और प्रदेश के हितों के साथ कुठाराघात है। उन्होंने कहा कि ह्यह सिर्फ टैक्स और सेस का मामला नहीं है, बल्कि झारखंड के जल, जंगल और जमीन के अस्तित्व एवं अधिकार की लड़ाई है।उन्होंने घोषणा की कि 27 अगस्त को लोहरदगा समाहरणालय परिसर में कांग्रेस पार्टी द्वारा धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस आंदोलन के माध्यम से केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए राज्य के संवैधानिक एवं आर्थिक अधिकारों की रक्षा की आवाज बुलंद की जाएगी।जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखेर भगत ने कहा कि प्रदेश एवं राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश के आलोक में लोहरदगा जिला कांग्रेस इस आंदोलन को पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव और पंचायत-पंचायत तक जाकर केंद्र सरकार की जनविरोधी एवं झारखंड विरोधी नीतियों को उजागर करेंगे तथा जनता को इस कानून के संभावित प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे।उन्होंने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा केवल राजस्व का स्रोत नहीं, बल्कि राज्य की आर्थिक आत्मनिर्भरता और भविष्य से जुड़ा विषय है। इसलिए खनिज अधिकारों में किसी भी प्रकार की कटौती के खिलाफ कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी।संवाददाता सम्मेलन में विशाल डुंगडुंग, सीमा परवीन, मोहन दुबे,संदीप गुप्ता मुस्ताक अहमद,मो.दानिश उपस्थित थे।

बिना लाइसेंस नहीं चलेंगी मीट की दुकानें, एनओसी और एफएसएसएआई भी जरूरी

रांची (एजेंसी) : मंत्रिपरिषद ने मीट और मीट उत्पादों से जुड़े कारोबार के लिए एनओसी देने को लेकर झारखंड म्युनिसिपल रेगुलेशन 2026 को मंजूरी प्रदान की है। इसके माध्यम से राज्य के शहरी क्षेत्रों में मांस, मछली, मुर्गा और अन्य मीट उत्पादों का कारोबार करने वालों के लिए नगर निकाय से अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है।नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत क्षेत्रों में मीट की दुकान या वधशाला संचालित करने के लिए संबंधित निकाय से एनओसी और ट्रेड लाइसेंस लेना होगा।इसके साथ ही खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का वैध लाइसेंस भी जरूरी होगा।नियमों का उल्लंघन करने पर निकाय स्तर से कार्रवाई की जा सकती है।नगर निकायों में मीट का व्यवसाय शुरू करने से पहले ट्रेड लाइसेंस लेना आवश्यक है।इसके लिए राज्य

शहरी विकास अभिकरण (एसयूडीए) के पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। वधशाला के संचालन के लिए स्थानीय निकाय की अनुमति के साथ निर्धारित स्वच्छता एवं अन्य मानकों का पालन करना होगा।मीट की दुकानों में खुले में मांस प्रदर्शित करने पर रोक है।मांस को शीशे के काउंटर अथवा ढक कर रखना होगा, ताकि धूल, गंदगी और अन्य प्रदूषकों से उसका संपर्क नहीं हो। दुकान में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना होगा।मांस से निकलने वाले अपशिष्ट के निस्तारण के लिए उचित कंटेनर रखना और नगर निकाय के कचरा प्रबंधन संबंधी निदेशों का पालन करना होगा।वधशाला के संचालन में स्वच्छता, स्थान, अपशिष्ट निस्तारण और खाद्य सुरक्षा से जुड़े मानकों का पालन करना होगा। झारखंड हाइकोर्ट ने भी शहरी निकायों में बूचड़खानों के संचालन को लेकर मॉडल नियम बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया था।इसके बाद नगर निकायों में इस तरह की गतिविधियों को निर्धारित नियमों के तहत संचालित करने पर जोर दिया जा रहा है।बिना वैध ट्रेड लाइसेंस, एनओसी या आवश्यक खाद्य सुरक्षा लाइसेंस के कारोबार करने पर संबंधित नगर निकाय कार्रवाई कर सकता है।नियमों के उल्लंघन की स्थिति में दुकान बंद कराने, सामान जब्त करने, सील करने और जुमार्ना लगाने जैसी कार्रवाई का प्रावधान है।इसलिए मीट कारोबारियों को कारोबार जारी रखने के लिए सभी जरूरी लाइसेंस और अनुमतियां हासिल करनी होंगी।

राज्य के सदर अस्पतालों को हाईटेक बनाने की हुई तैयारी, विभाग ने किया समझौता

रांची (एजेंसी) : झारखंड के सभी सदर अस्पताल जल्द डिजिटल सेवाओं और ऑनलाइन व्यवस्था से जुड़ेंगे. झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक हाईटेक और पारदर्शी बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने बड़ा कदम उठाया है।राज्य के सभी जिलों के सदर अस्पतालों को डिजिटल सेवाओं और ऑनलाइन व्यवस्था से जोड़ा जायेगा।स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को नेपाल हाउस स्थित विभाग के दफ्तर में एक समझौता किया है। इस सुविधा को शुरू करने के लिए रॉडिक कंपनी के साथ एमओयू किया गया है। डिजिटल बोर्ड के जरिए मरीजों को डॉक्टरों की उपलब्धता, दवाओं और अस्पताल की सुविधाओं की जानकारी मिल सकेगी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि इस पहल से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी और मरीजों को अस्पताल से जुड़ी जरूरी जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी।डिजिटल व्यवस्था लागू होने के बाद अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं और संसाधनों की जानकारी डिजिटल बोर्ड के माध्यम से लोगों को मिलेगी। मंत्री ने बताया कि मरीज और उनके परिजन यह भी देख सकेंगे कि अस्पताल में कितने डॉक्टर मौजूद हैं और कौन-कौन सी दवाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल की व्यवस्थाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां डिजिटल माध्यम से प्रदर्शित की जायेंगी। वहीं, स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में डिजिटल तकनीक समय की आवश्यकता है।इस तरह की व्यवस्था झारखंड में अभी नहीं थी, जबकि अन्य राज्यों में यह व्यवस्था पहले से उपलब्ध है।एमओयू के दौरान एनएचएम के एमडी शशि प्रकाश झा सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरीय पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।नई डिजिटल व्यवस्था लागू होने के बाद सदर अस्पतालों में डिजिटल बोर्ड एवं ऑनलाइन माध्यम से मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं की जानकारी मिल सकेगी। अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाएं, ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों की जानकारी, उपलब्ध दवाओं की स्थिति तथा अन्य आवश्यक सूचनाओं को डिजिटल माध्यम से प्रदर्शित करने की व्यवस्था विकसित की जायेगी।

खुद नैनो खाद बना सकेंगे किसान, आइआइएबी ने तैयार किया मशीन

रांची (एजेंसी) : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइएबी) के वैज्ञानिकों ने किसान फ्रेंडली एक मशीन तैयार किया है।यह रसायनों को नैनो रूप में बदलेगा।इसका उपयोग किसान या किसान समूह खेतों में कर सकेंगे।इसका भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने पेटेंट किया है।यह पायलट-स्केल वेट मिलिंग प्रणाली प्रधान वैज्ञानिक डॉ बिप्लब सरकार के नेतृत्व में विकसित की गयी है। इसमें सीआरआइजेएएफ कोलकता और निसा रांची ने भी सहयोग किया है। 25 लीटर क्षमता वाले इस उपकरण में स्टेनलेस स्टील बेस, 75 से 100 आरपीएम की गति से चलने वाला इम्पेलर और सिरेमिक बॉल-बेयरिंग तंत्र लगाया गया है।कम लागत और मजबूत डिजाइन वाली इस प्रणाली का इस्तेमाल रासायनिक तथा हरित दोनों तरीकों से पाउडर तैयार करने में लगेगा। नैनो उर्वरक, नैनो खनिज और नैनो कीटनाशक जैसे कृषि उत्पाद तैयार करने में यह सहयोग करेगा।डॉ सरकार ने बताया कि इस पर 2021 से काम हो रहा है।बीते साल इसको पेटेंट कराने का आवेदन दिया था।

पवन अध्यक्ष व देवेंद्र बने सीएमपीडीआइ सीकेएस के महामंत्री नई कमेटी का पुनर्गठन

रांची (एजेंसी) : सीएमपीडीआइ कोलियरी कर्मचारी संघ का पुनर्गठन किया गया है। इसमें देश के कोने-कोने से आये सीएमपीडीआइ के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।इससे पूर्व मंगलवार को सीएमपीडीआइ में 18वां एक दिनी अधिवेशन का आयोजन किया गया। इसमें पवन कुमार उपाध्याय को अध्यक्ष, देवेंद्र तिवारी को महामंत्री तथा टूकलाल निराला को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।नई कमेटी के पुनर्गठन कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ झारखंड प्रदेश के महामंत्री राजीव रंजन सिंह, झारखंड-बिहार क्षेत्रीय संगठन मंत्री धर्मदास शुक्ला तथा अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के महामंत्री सुजीत सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। श्री सिंह ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ से जुड़े संगठन कोल इंडिया में लगातार मजबूती के साथ संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ा रहे हैं।उन्होंने कहा कि संगठन का मूल उद्देश्य श्रमिकों के हितों की रक्षा करना और उनके अधिकारों के लिए मजबूती से संघर्ष करना है। कोल इंडिया के कोयला कर्मचारियों के लिए जेबीसीसीआइ-12 का गठन और बारहवां वेतन समझौता जल्द से जल्द लागू किया जाना अत्यंत आवश्यक है।भारतीय मजदूर संघ और अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ इस मांग को लेकर लगातार आंदोलनरत हैं।उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के वेतन, सुविधाओं और भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रखा जा सकता है।उन्होंने कहा कि जेबीसीसीआइ-12 का गठन शीघ्र किया जाये।अदालत और श्रम कानून इसमें कहीं बाधक नहीं है।यदि कर्मचारियों की इस जायज मांग पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो भारतीय मजदूर संघ आंदोलन को और अधिक व्यापक एवं उग्र रूप देने के लिए तैयार है।उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ केवल घोषणा करने वाला संगठन नहीं, बल्कि श्रमिकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाला संगठन है।हम चाहते हैं कि सभी संगठन मजदूर हितों के लिए साथ मिलकर आंदोलन करें।इस मौके पर निर्गुण महतो, शशिभूषण सिंह, रविंद्र कुमार मिश्रा, अनुप सिंह उपस्थित रहे।

ट्रूथ पथ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

प्रमुख चौराहों पर चला राखी फॉर रोड सेफ्टी अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। रक्षाबंधन के अवसर पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और आमजन में यातायात नियमों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को धनबाद शहर के प्रमुख चौराहों पर ₹सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान काआयोजन किया गया। इस अभियान के तहत विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने शहर के व्यस्ततम चौराहों पर तैनात रहकर दोपहिया एवं चारपहिया वाहन चालकों की कलाई पर रक्षासूत्र (राखी) बांधा और उनसे अपनी व दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भावनात्मक वचन लिया। सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक सिटी सेंटर चौक, पूजा

टॉकीज, स्टील गेट, गोल बिल्डिंग और मेमको मोड़ पर क्रमवार जागरूकता अभियान चलाया गया। बच्चों ने वाहन चालकों से दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, ओवर-स्पीडिंग से बचने और यातायात संकेतों का कड़ाई से पालन करने का संकल्प कराया। राहगीरों और वाहन चालकों ने बच्चों के इस भावनात्मक प्रयास की सराहना की और नियमों के अनुपालन का भरोसा दिया। बिना हेलमेट मिले चालकों को रोककर बच्चों ने स्नेहपूर्वक उन्हें जीवन रक्षा का महत्व समझाया। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से पुनः अपील की है कि सड़क सुरक्षा नियमों को केवल औपचारिकता न समझें, बल्कि इसे अपनी दैनिक आदत बनाएं। सुरक्षित ड्राइविंग से ही दुर्घटनाओं में होने वाली जन-धन की हानि को रोका जा सकता है।

बीपी मंडल की 108वीं जयंती पर सामाजिक न्याय का लिया गया संकल्प

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बीपी. मंडल की 108वीं जयंती मंगलवार को कोयलानगर जुबली भवन में ध मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन बैकवर्ड क्लास (ओबीसी) कोल इम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन, धनबाद की ओर से किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत महात्मा गांधी, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और बी.पी. मंडल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलन के साथ हुई। समारोह में कोयला उद्योग से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। मुख्य वक्ता आईआईटी आईएसएम इट धनबाद के प्रो. के. पी. अजीत ने बी.पी. मंडल के जीवन, संघर्ष और पिछड़े वर्गों के लिए उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाने की संवैधानिक सोच को बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर ने मजबूत आधार दिया। प्रो. अजीत ने 1990 में तत्कालीन प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह द्वारा मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू किए जाने को सामाजिक न्याय के इतिहास का महत्वपूर्ण मोड़ बताया। उद्घाटन वक्ता बिदेश्वरी प्रसाद ने बी.पी. मंडल के जीवन और व्यक्तित्व पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि जमींदार परिवार में जन्म लेने के बावजूद मंडल जी ने गरीबों, शोषितों और वंचितों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। बीआईटी सिंदरी से सेवानिवृत्त शिक्षाविद प्रो. आर. के. ठाकुर और जेबीसीसीआई सदस्य के. पी. गुप्ता ने भी अपने विचार रखे तथा एसोसिएशन के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन बीसीसीएल के कोयला अधिकारी एवं एसोसिएशन के बीसीसीएल प्रभारी देव कुमार वर्मा ने किया। वे कार्यक्रम के मुख्य संयोजक भी रहे। अंत में एसोसिएशन के महामंत्री सुभाष माली ने अतिथियों एवं उपस्थित लोगों के प्रति आभार जताया। मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष रामदुलार सिंह, महामंत्री भोलानाथ यादव, मदन राम, देव कुमार वर्मा, दयाराम सिंह यादव, बीरेन गोपे, दिलीप कुमार, रामप्रवेश यादव, गणेश ठाकुर, अशोक वर्मा, मनोज कुमार मल्लाह, महावीर चौहान, रामनाथ गोपे, बीर बहादुर यादव, गणेश कुमार, डॉ. रणविजय सिंह, डॉ. हरीश कुमार, राजकुमार यादव, विजय कुमार, हेमंत कुमार, मनोज कुमार साव और रवींद्र कुमार सहित सैकड़ों कोयला कर्मी, अधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने बी.पी. मंडल के सामाजिक न्याय के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

ईद मिलाद-उन-नबी के लिएबाघमारा थाना में शांति समिति की बैठक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बाघमारा। मुस्लिम समुदाय का पवित्र त्योहार ईद मिलाद-उन-नबी बुधवार को मनाया जाएगा । क्षेत्र में विधि-व्यवस्था और सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से मंगलवार को बाघमारा थाना परिसर में शांति समिति एवं पुजसस की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी अजीत कुमार ने की। इस दौरान शांतिपूर्ण वातावरण में जुलूस- ए-मोहम्मदी निकालने, समय का पालन करने तथा जुलूस के रूट निर्धारण पर विस्तार से चर्चा कर रूपरेखा तय की गई। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि जुलूस के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे और पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहेगा। बैठक में मुख्य रूप से सअनि ओंकार उपाध्याय, आरके यादव, हृदया राम, विजय शर्मा, टीपी पांडेय, बैजनाथ यादव, पप्पू सिंह, विशु रवानी, पोरेश चौबे, राजेन्द्र प्रसाद, केशव पासवान, चंदन मिश्रा, बब्लू अंसारी, सफीक टेलर, फैयाज खान, मो. सरोवर एवं परवेज आलम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राखी के साथ संवाद: स्कूली छात्राओं ने डीसी-एसएसपी को बताई अपनी समस्याएं

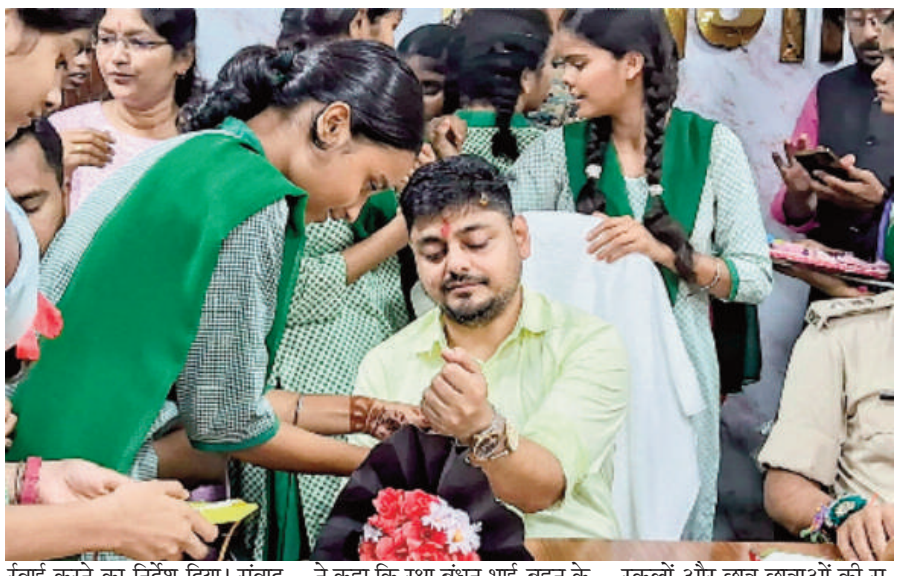

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। समाहरणालय में आयोजित विशेष समारोह में जिले के विभिन्न सरकारी विद्यालयों की छात्र-ाओं ने उपयुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री अभिषेक झा की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनकी लंबी उम्र की कामना की। राखी बांधने के उपरांत उपायुक्त ने छात्राओं के साथ खुला संवाद किया। संवाद के दौरान प्लस टू हाई स्कूल कोलाकुसमा की छात्राओं ने स्कूल के एप्रोच रोड को बनाने,स्मार्ट बोर्ड लगाने तथा संगीत वाद्ययंत्र उपलब्ध कराने की मांग की। वहीं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय गोविंदपुर की छात्राओं ने विद्यालय में डीप बोरिंग अधिकारियों ने छात्राओं को आशीर्वाद व उपहार देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कराने,प्राइमरी स्कूल नेरो गोविंदपुर में बाउंड्री वॉल बनाने व बेंच डेस्क उपलब्ध कराने की मांग की। मिडिल स्कूल सरायढेला की छात्राओं ने विद्यालय के बाहर मनचलों की हरकत से होने वाली परेशानियों की जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी प्रभात कुमार ने मौके पर ही संबंधित थाना प्रभारियों से फोन पर बात कर शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेने और आवश्यकतानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। संवाद के दौरान पीएम श्री राजगंज की छात्राओं ने बताया कि हाई स्कूल एवं मिडिल स्कूल सड़क के आर पार है। जिसके कारण छात्राओं को सड़क पार करने में समस्या होती है। जबकि विद्यालय ने सड़क पर बैरिकेड लगाए हैं। फिर भी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उपायुक्त ने मामले की गंभीरता देखते हुए पथ निर्माण विभाग से स्कूल के पास शीघ्र रंबल स्ट्रिप लगाने का आश्वासन दिया उपायुक्त ने कहा कि रक्षा बंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और रक्षा के पवित्र रिश्ते का प्रतीक पर्व है। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। वहीं छात्राओं को सुरक्षित महसूस कराने के लिए एसएसपी ने कहा कि जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया जाएगा कि अपने-अपने थाना क्षेत्र में स्थित बालिका विद्यालय, आवासीय विद्यालय समेत सभी स्कूलों और छात्र छात्राओं की सु-रक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। विद्यालयों के आसपास पुलिस की नियमित पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी। समारोह के दौरान छात्राओं ने अपने हाथों से बनाई सामग्री उपायुक्त एवं एसएसपी को भेंट की। कुछ छात्र-ाओं ने दोनों वरीय पदाधिकारी के ऑटोग्राफ भी लिए। समारोह के दौरान विद्यालय की शिक्षिका, शिक्ष-ाक एवं बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद थी।

अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान के सदस्यों ने जलस्त्रोतों के संरक्षण पर दिया बल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। जिले की प्रमुख नदियों एवं जल स्त्रोतों के संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण तथा समग्र जल प्रबंधन के उद्देश्य से अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान के अंतर्गत गठित मल्टी स्टेकहोल्डर्स वर्किंग ग्रुप की बैठक मंगलवार को समाहरणालय सभागार में हुई। नगर आयुक्त आशीष गंगवार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में दामोदर, कतरी सहित जिले की अन्य प्रमुख नदियों एवं जल स्त्रोतों की वर्तमान स्थिति तथा उनके संरक्षण और पुनर्जीवन के संभावित उपायों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में धनबाद से निकलने वाली नदी, नालाओं को प्रदूषण से बचने एवं स्थानीय लोगों के आजीविका को ध्यान में रखते हुए दामोदर नदी एवं कतरी नदी के घाटों में सौंदर्य करण कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण से संबंधित उपायों के बारे में गहन विचार विमर्श किया गया। इसके अलावा आवश्यक स-ुझावों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई ताकि भविष्य में नदी या जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए कारगर परियोजनाओं को धरातल पर उतरा

जा सके। साथ में शहरी नदी प्रबंधन योजना के विभिन्न आयामों पर व्यापक चर्चा की गई। इस क्रम में नदी संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, नदी तट विकास, जल प्रबंधन तथा सामुदायिक सहभागिता से जुड़े कई संभावित उपायों पर चर्चा हुई। बैठक में नदियों के आसपास संभावित अतिक्रमण, ओवर बर्डन (ओबी) डंपिंग तथा अन्य पर्यावरणीय दबावों की पहचान करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। बैठक के दौरान दामोदर बचाओ आंदोलन के जिला समन्वयक अरुण कुमार राय ने दामोदर नदी के सहायक छोटी नदी व नालों की स्थिति का सर्वेक्षण करने का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा इसके अतिक्रमण से जल स्त्रोतों में रुकावट आ रही है और छोटे जलस्त्रोत समाप्त हो रहे हैं। वहीं मेघ पाइन अभियान के एकलव्य प्रसाद ने वर्षा जल के आकड़ों का विश्लेषण करने, जल स्त्रोतों के आसपास पानी फल सिंघाड़ा व हॉर्टिकल्चर को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। बैठक में नगर आयुक्त आशीष गंगवार, डॉ जी.आर. साबीबी, मनु भटनागर, दमनजीत सिंह मिन्हास, जसवंत सिंह, डीएमसी के अर्बन र-ीफोर्म स्पेशलिस्ट अमनदीप, आईआ-ईटी आईएसएम के प्रोफेसर बिस्वजीत पॉल, सुरेश पान्दन ईलुमलाय, बीआईटी सिंदरी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ बी.डी. यादव खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा के अलावा बीसीसीएल, जुडको, बीबीएमकेयू, जेवीवीएनएल के प्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

थाना प्रभारी से कथित गाली-गलौज मामले में पुलिस एसोसिएशन का आक्रोश

जयराम महतो से 24 घंटे में सार्वजनिक माफी की मांग

धनबाद (एजेंसी) : धनबाद में बरवाअड्डा थाना प्रभारी के साथ डुमरी विधायक जयराम महतो द्वारा फोन पर कथित गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। झारखंड पुलिस एसोसिएशन शाखा धनबाद ने मंगलवार को धनबाद पुलिस केंद्र में प्रेस वार्ता कर इस मामले पर कड़ा आक्रोश जताया। एसोसिएशन ने विधायक से 24 घंटे के भीतर आम जनता के समक्ष सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। साथ ही विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि कार्रवाई नहीं होने पर पुलिस अधिकारी और कर्मी आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।झारखंड पुलिस एसोसिएशन शाखा धनबाद के पदाधिकारियों ने कहा कि किसी संवैधानिक पद पर बैठे जनप्रतिनिधि द्वारा पुलिस पदाधिकारी के साथ अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। संगठन का कहना है कि इस तरह के व्यवहार से पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।पदाधिकारियों ने कहा कि पुलिसकर्मी पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं और उनके साथ किसी भी प्रकार का अपमानजनक व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता।एसोसिएशन के अनुसार, बरवाअड्डा थाना प्रभारी की ओर से इस पूरे मामले को लेकर झारखंड पुलिस एसोसिएशन, रांची के अध्यक्ष को लिखित शिकायत भी दी गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कथित फोन पर गाली-गलौज के बाद डुमरी विधायक जयराम महतो अपने समर्थकों के साथ बरवाअड्डा थाना पहुंचे।आरोप है कि विधायक और उनके समर्थक थाना प्रभारी के कार्यालय कक्ष में प्रवेश कर गए और इस दौरान टेबल पर रखे सामान को नुकसान पहुंचाया गया। साथ ही पुलिस पदाधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने का भी आरोप लगाया गया है।पुलिस एसोसिएशन ने डुमरी विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने साफ कहा है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो झारखंड पुलिस एसोसिएशन और झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन, रांची के निर्देश के अनुसार धनबाद जिले के पुलिस अधिकारी और कर्मी धरना-प्रदर्शन, सड़क जाम और काला बिल्ला लगाकर विरोध दर्ज कराएंगे।

डुमरी विधायक जयराम महतो समेत तीन के खिलाफ आरोप तय,सुभाष महतो के खिलाफ वारंट जारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : डुमरी विधायक सह झारखंड लोकतांत्रिक मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो , पार्वती चरण महतो, राथू रजवार के विरुद्ध आरोप का गठन एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत मे हुआ। विधायक समेत आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया और ट्रायल की मांग की। वहीं, अदालत ने मामले के एक अन्य आरोपी सुभाष महतो के खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट जारी करने का आदेश दिया है। सुभाष महतो आज अदालत में हाजिर नहीं था। 27 नवंबर 2023 को रवि कुमार आनंद की शिकायत पर जयराम महतो, पार्वती चरण महतो, रथु महतो व सुभाष महतो एवं अन्य के खिलाफ बोकारो जिला के सियालजोड़ी थाना में प्राथमिकी कांड संख्या 118/23 दर्ज की गई थी। यह मामला वेदांता प्लांट के मजदूर के आंदोलन से जुड़ा है। आरोप है कि 27 नवंबर 2023 को प्लांट में मजदूरों द्वारा जयराम महतो के तस्वीर लगा बैनर लेकर प्रदर्शन किया जा रहा था। इसके कारण वेदांता फोर लेन रोड जाम हो गया। वाहनों का आवागमन ठप हो गया जिसके कारण प्लांट को आर्थिक नुकसान पहुंचा। इससे पूर्व यह मामला बोकारो सिविल कोर्ट के जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय की अदालत में चल रहा था।

जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं से अवगत हुए उपायुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। उपायुक्त आदित्य रंजन द्वारा कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को सुना एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जाँच कराते हुए उचित समाधान कराया जाएगा। जनता दरबार में उत्क्रमित उच्च विद्यालय जोराडीह में बाउंड्रीवॉल तथा भवन निर्माण करने, सड़क किनारे बंद पड़ी लाइट चालू करने, बीएड में नामांकन हेतु मदद, रैयती जमीन

पर अवैध कब्जा हटाने, भू अर्जन मुआवजा, सार्वजनिक नलियों को अतिक्रमण मुक्त करने, ट्राइसाइ-किल उपलब्ध कराने की मांग की गई। ऑनलाइन रसीद निर्गत करने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने, जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने, सड़क निर्माण करने, रुके हुए विधवा तथा वृद्धा पेंशन चालू कराने, विद्यालय में संसाधनों की कमी दूर करने, होमगार्ड बहाली, आर्म लाइसेंस निर्गत करने समेत पारिवारिक मामले, जमीन के मामले, धोखाधड़ी के मामले एवं कई अन्य आवेदन प्राप्त हुई। उपायुक्त ने कहा कि जनता की समस्याओं का समय पर समाधान करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारी केवल आवेदनों को लंबित न रखें, बल्कि धरातल पर जाकर उनका त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें। कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

धनबाद की पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए सीएम से मिले विधायक राज सिन्हा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद विधायक राज सिन्हा ने मंगलवार को रांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर धनबाद सहित पूरे कोयलांचल की गंभीर पेयजल समस्या के स्थायी एवं ठोस समाधान की मांग की। धनबाद शहर की प्रमुख 38 सड़कों के निर्माण को एसीबी जांच के नाम पर लंबे समय से लंबित रहने पर भी सकारात्मक वार्ता की। विधायक ने मुख्यमंत्री से कहा कि धनबाद की पेयजल समस्या केवल अल्पकालीन व्यवस्था में सुधार से दूर होने वाली समस्या नहीं है। इसके लिए मौजूदा जलापूर्ति आधारभूत संरचना का पूर्ण उपयोग, पाइपलाइन नेटवर्क का बेहतर संयोजन, जलमीनारों को सक्रिय करना और प्रत्येक घर तक गृह संयोजन सुनिश्चित करना आवश्यक है। विधायक ने मुख्यमंत्री को बताया कि धनबाद के लिए 143 एमएललडी क्षमता की महत्वाकांक्षी शहरी जलापूर्ति योजना तैयार की गई थी। इसके अंतर्गत 31 जलमीनारों का निर्माण किया गया है और नगर निगम तथा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के माध्यम से जलापूर्ति भी की जा रही है। लेकिन वर्तमान स्थिति

अत्यंत चिंताजनक है। इस पूरी व्यवस्था की क्षमता के मुकाबले मात्र लगभग 47 एमवीएलडी पानी की ही आपूर्ति हो पा रही है। लगभग 96 एमएलडी जलापूर्ति क्षमता का समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि इसका सीधा नुकसान धनबाद की जनता को हो रहा है। विधायक ने मुख्यमंत्री को बताया कि धनबाद की पेयजल समस्या के समाधान के लिए कई स्थानों पर मौजूद जलापूर्ति संरचनाओं और पाइपलाइनों को आपस में उचित तरीके से जोड़कर एक मजबूत एवं समेकित जलापूर्ति नेटवर्क तैयार किया जा सकता है। विधायक ने मुख्यमंत्री से यह भी आग्रह किया कि निर्मित 31 जलमीनारों को पूरी क्षमता के साथ सक्रिय करते हुए उनसे अधिक से अधिक घरों को गृह जल संयोजन दिया जाए। विधायक ने मुख्यमंत्री का ध्यान नगर विकास विभाग की एजेंसियों द्वारा फेज-क एवं फेज-क्क के तहत छोटे-छोटे क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने तथा 8 अदद पानी टंकी बनाए जाने की ओर भी आकृष्ट कराया। उन्होंने कहा कि इनमें से कई कार्य वर्षों से निमार्णाधीन हैं, लेकिन अभी तक उनका स्पष्ट परिणाम सामने नहीं आया है।

25-08-2026 T.P. Page 4_Layout 1 25-08-2026 23:41 Page 1

संक्षिप्त खबरें

भाजपा विधायक सहित परिवार के 09 लोगों पर हत्या का केस दर्ज

दुमका, 25 अगस्त (हि.स.)। जरमुंडी से भाजपा विधायक देवेंद्र कुंवर के नोनीहाट डाक बंगला के रसोइए की संदिग्ध मौत के मामले में हंसडीहा थाना पुलिस ने विधायक सहित उनके परिवार के 09 लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है।

सोमवार देर शाम विधायक के आवास में खाना बनाने वाले 30 वर्षीय सोनू राउत की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पुलिस ने उसका शव कमरे में पंखे से लटका हुआ बरामद किया था। परिजनों ने शव पर कई जगह चोट के निशान होने का भी दावा किया है। मृतक के परिजनों ने विधायक देवेंद्र कुंवर सहित उनके परिवार के 09 सदस्यों पर सोनू की हत्या कर शव को पंखे से लटकाने का आरोप लगाया है। परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार भी घटनास्थल का जायजा लिया। वहीं, मामले की जांच के लिए पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस टीम ने कमरे और आसपास के इलाके की बारीकी से जांच की। वहीं, विधायक की बेटी ने मृतक के परिजनों की ओर से लगाए गए सभी आरोपों को खारिज किया है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक जांच और घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। एसपी ने बताया कि जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह और घटना की पूरी सच्चाई सामने आ सकेगी।

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन दिल्ली में 20,000 छात्राओं को देगा छात्रवृत्ति

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने दिल्ली में इस वर्ष 20,000 तक छात्राओं को उच्च शिक्षा जारी रखने के लिए अजीम प्रेमजी छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है। चयनित प्रत्येक छात्रा को हर साल 30,000 रुपये की सहायता दी जाएगी, जो कॉलेज के पहले वर्ष से लेकर स्नातक डिग्री या डिप्लोमा पूरा होने तक जारी रहेगी। पाठ्यक्रम की अवधि के अनुसार छात्राओं को दो से पांच वर्षों तक छात्रवृत्ति मिल सकती है और अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक की सहायता प्राप्त होगी। फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुराग बेहर ने कहा कि उच्च शिक्षा लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने और आगे बढ़ने की ताकत देती है तथा छात्रवृत्ति का उद्देश्य उनकी शिक्षा में आने वाली आर्थिक बाधाओं को कम करना है। यह छात्रवृत्ति वर्ष 2024 में शुरू की गई थी और अब 21 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की छात्राएं इसके लिए आवेदन कर सकती हैं, जिनमें झारखंड भी शामिल है। पात्र छात्राओं के लिए संबंधित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के सरकारी स्कूल से कक्षा 10 और 12 की पढ़ाई पूरी करना तथा भारत में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में स्नातक डिग्री या डिप्लोमा पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में दाखिला लेना जरूरी है। फाउंडेशन का लक्ष्य हर साल पूरे भारत में करीब पांच लाख छात्राओं को छात्रवृत्ति के माध्यम से सहायता देना है। वर्ष 2024 में शुरूआत के बाद अब तक 1.9 लाख से अधिक छात्राओं को यह छात्रवृत्ति मिल चुकी है। आवेदन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और निःशुल्क है तथा आवेदन केवल अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से किया जा सकता है।

कोयला परियोजना परिसर में फायरिंग मामले में दो गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा, । टंडवा थाना क्षेत्र स्थित मगध-संघमित्रा क्षेत्र की चंद्रगुप्त कोल माइंस प्राइवेट लिमिटेड के सिक्योरिटी कार्यालय के समीप 23 अगस्त को हुई गोलीबारी मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में रांची जिले के डोरंडा थाना क्षेत्र के सचिवालय कॉलोनी निवासी विकास कुमार सिंह और हजारीबाग जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र के असधी गांव निवासी स्वराज ठाकुर शामिल हैं।

पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने बताया कि 23 अगस्त को अज्ञात मोटरसाइकिल सवार अपराधियों ने सिक्योरिटी कार्यालय में घुसकर भयादोहन एवं रंगदारी मांगने के उद्देश्य से फायरिंग की थी। घटना में विकास कुमार सिंह के घायल होने की बात सामने आई। मामले को लेकर टंडवा थाना कांड संख्या 193/26 दर्ज कर पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी टंडवा के नेतृत्व में विशेष जांच टीम (एसआइटी) गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों एवं अनुसंधान के आधार पर 24 अगस्त की रात रांची एयरपोर्ट थाना क्षेत्र से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर हथियार एवं अन्य सामान बरामद किया। एसपी अनिमेष नैथानी ने कहा कि घटना में प्रयुक्त हथियार को घटना के बाद भागने के दौरान रास्ते में छिपा दिया गया था। जिसकी बरामदगी आरोपियों की निशानदेही पर की गई।पुलिस ने 7.65 एमएम का एक खाली खोखा, 7.62 एमएम के 19 खाली खोखे, तीन स्मार्टफोन, 32,800 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार मामले में रंगदारी के लेन-देन की भी जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में राहुल दुबे के माध्यम से भेजी गई रकम को स्वराज ठाकुर के खाते में लिए जाने की बात सामने आई है। पुलिस इस पूरे मामले में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनसेवा के 25 साल पूरे होने पर 17 सितंबर से भाजपा चलाएगी सेवा संकल्प अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : भाजपा प्रदेश कार्यालय रांची में पार्टी अध्यक्ष आदित्य साहू की अध्यक्षता में प्रदेश कोर कमेटी की बैठक मंगलवार रात को संपन्न हुई। बैठक के बाद प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने मीडिया को ब्रीफिंग करते हुए कहा कि इस बैठक में राज्य की वर्तमान स्थिति के अलावा सांगठनिक विषयों पर भी लंबी चर्चा हुई।

प्रदेश महामंत्री ने कहा कि आज राज्य की जो राजनीतिक हालात उत्पन्न हुई है, उन हालातो को लेकर भाजपा ने चिंता व्यक्त की है। खासकर जिस प्रकार से छात्रों के साथ लगातार अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है, उसको लेकर पार्टी ने गहरी चिंता व्यक्त की है। साथ ही कई कार्यक्रम आगामी दिनों में तय किए गए हैं। जिसमें प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधान सेवक के रूप पिछले 12 साल से अनवरत जनसेवा करते हुए देश सेवा में उनके अब तक जो 25 साल पूरे हुए हैं, उसको लेकर सेवा

संकल्प अभियान 17 सितंबर से लेकर 17 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के हर वर्ग के लिए इस दौरान चलाए गए कल्याणकारी योजनाओं को लेकर हमारी पार्टी जन जन तक पहुंचेगी। इस अभियान के तहत कई कार्यक्रम भी तय हुए हैं। इसके साथ अन्य कई विषयों पर भी लंबी चर्चा हुई। वहीं प्रदेश अध्यक्ष के आदेशानुसार भी कई कार्यक्रम तय किए हैं।

इस दौरान बैठक में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के अलावा नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, अर्जुन मुंडा एवं मधु कोड़ा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, रविन्द्र कुमार राय एवं दिनेशानंद गोस्वामी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, अमर कुमार बाउरी एवं मनोज सिंह, अनंत ओझा उपस्थित थे।

भावनात्मक अस्थिरता युवाओं में नशे का मुख्य कारण : डॉ सेंथिल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,। समाधान नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र, कांके की ओर से साईं नाथ विश्वविद्यालय, ओरमांझी में मंगलवार को मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जागरूकता से आगे नशे से बचाव और मानसिक स्वास्थ्य के लिए युवाओं का सशक्तिकरण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान (सीआईपी), कांके के सहायक प्राध्यापक डॉ सेंथिल एम ने नशे की लत को गंभीर जैव-मनो-सामाजिक समस्या बताया।

उन्होंने कहा कि साथियों का दबाव, शैक्षणिक तनाव, पारिवारिक संघर्ष और भावनात्मक अस्थिरता युवाओं में नशे की शुरूआत के प्रमुख कारण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के व्यवहार में अचानक बदलाव, पढ़ाई में रुचि कम होना, नींद व भूख में गड़बड़ी और सामाजिक दूरी जैसे शुरूआती संकेतों को पहचानने की जरूरत है।

समाधान केंद्र की काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट रफत मुहम्मदी ने केंद्र की 12 वर्षों की यात्रा और नशा मुक्ति एवं मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समय पर मदद मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी है। वी बालाजी ने युवाओं से नशे के खिलाफ बदलाव का वाहक बनने और स्वयंसेवा के जरिए साथियों की मदद करने का आह्वान किया। संवाद सत्र में विद्यार्थियों के सवालों के जवाब दिए गए। कार्यक्रम का समापन नशामुक्त और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संकल्प के साथ हुआ।

सिख समाज ने की ज्योति सिंह माथारू को अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष बनाने की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची :प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को राज्य भर के सिख समाज के प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह माथारू के नेतृत्व में आयोजित बैठक में प्रदेश के सभी जिलों से आए सिख समाज के प्रबुद्ध और गुरुद्वारा प्रबंधकों ने अपनी समस्याओं और हक-अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय उपस्थित थे।

बैठक की शुरूआत में आयोजक और अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह माथारू ने अतिथियों का बुके भेंट कर स्वागत किया।

उपायुक्त ने दिया ओडीएफ प्लस में सुस्ती पर तीन अधिकारियों को शोकॉज करने का निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में जल जीवन मिशन (जेजेएम) और स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (एसबीएम-जी) के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने ओडीएफ प्लस में सुस्ती बरतने के आरोप में तीन प्रखंडों में संबंधित अधिकारी पदाधिकारियों को शॉकोज करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने जेजेएम के तहत

लंबित एमवीएस (मल्टी विलेज स्कीम) और एसवीसी (सिंगल विलेज स्कीम) को जल्द पूरा करने को कहा। रेलवे और एनएचएआई से जुड़ी बाधाओं की सूची तैयार कर संबंधित विभागों से समन्वय कर समाधान कराने का निर्देश भी दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं की गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा। अधिकारियों को नियमित स्थल निरीक्षण, दस्तावेजीकरण और भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा गया।

पेयजल शिकायतों के त्वरित निपटारे पर विशेष जोर देते हुए उपायुक्त ने कहा कि मूलभूत सुविधा से जुड़ी शिकायतों में किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। अबुआ ग्रुप, झारजल, कॉल सेंटर और कनीय अभियंताओं के माध्यम से मिलने वाली शिकायतों का प्राथमिकता से समाधान करने का निर्देश दिया गया।

एसबीएम-जी की समीक्षा में आईएचएचएल निर्माण के लिए पात्र लाभुकों का शीघ्र चयन करने को कहा गया। जिले के करीब 1300 गांवों में 499 मॉडल विलेज विकसित होने की जानकारी दी गई। शेष गांवों में कार्य और भौतिक सत्यापन तेज करने का निर्देश मिला। ओडीएफ प्लस की धीमी प्रगति पर चान्हो, मांडर और बुढ़मू के प्रखंड समन्वयकों से शोकॉज मांगा गया। बैठक में अधिकारियों को शौचालय उपयोग और स्वच्छता को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाने का भी निर्देश दिया गया।

एमएसएमई क्षेत्र में ऋण वितरण बढ़ाएं अधिकारी : उपायुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय ब्लॉक-ए सभागार में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही की जिला परामर्शदात्री समिति (डीडीसी), जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) और ऋण-जमा अनुपात निगरानी समिति की संयुक्त बैठक हुई।

इसमें जिले में बैंकिंग प्रदर्शन, प्राथमिकता क्षेत्रों में ऋण प्रवाह और सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कम ऋण-जमा (सीडी) अनुपात वाले बैंकों को तत्काल लक्षित प्रयास कर कृषि और एमएसएमई क्षेत्र में ऋण वितरण बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बैंकों की भूमिका केवल जमा संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में पर्याप्त और समयबद्ध ऋण उपलब्ध कराना भी उनका महत्वपूर्ण दायित्व है।

बैठक में कृषि, एमएसएमई,

शिक्षा, आवास, केसीसी, स्वयं सहायता समूहों के क्रेडिट लिंकेज, पीएमजीपी, पीएमएफएमई, पीएम-स्वनिधि सहित विभिन्न योजनाओं की उपलब्धियों की समीक्षा की गई। किसानों को संस्थागत ऋण से जोड़ने, केसीसी खातों का समय पर फसल बीमा कराने और लंबित सरकारी प्रायोजित योजनाओं के मामलों का शीघ्र निपटारा करने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने जिले में ऋण की मांग की स्थिति की भी विस्तृत जानकारी ली और लोन मेला जल्द आयोजित करने का निर्देश दिया। एमएसईपी (माइक्रो, स्मॉल एंटरप्राइजेज प्रमोशन) से जुड़ी योजनाओं के जरिए स्वरोजगार को बढ़ावा देने और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लक्ष्य पूरा करने पर जोर दिया गया।

बैठक में डीडीसी संजय भगत, प्रशिक्षु आईएएस आस्था शरण, एलडीएम प्रकाश उरांव, आरबीआई प्रतिनिधि रोशन कुमार, नाबार्ड डीडीएम नरेंद्र कुमार समेत बैंक अधिकारी मौजूद थे।

डीएवी चाईबासा में राज्य स्तरीय वुशु प्रतियोगिता का समापन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : डीएवी पब्लिक स्कूल चाईबासा में आयोजित दो दिवसीय डीएवी स्पोर्ट्स 2026 राज्य स्तरीय वुशु चैंपियनशिप का मंगलवार को समापन हुआ। प्रतियोगिता में झारखंड के 10 संकुलों से जुड़े 26 डीएवी विद्यालयों के 271 छात्र-छात्राओं ने अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न स्पधाओं में बालक और बालिका वर्ग के खिलाड़ियों को कुल 149 पदक प्रदान किए गए।समापन समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य सह एआरओ ओ.पी. मिश्रा ने कहा कि वुशु केवल प्रतिस्पर्धात्मक खेल नहीं है, बल्कि यह आत्मरक्षा, अनुशासन, आत्मविश्वास और मानसिक एकाग्रता विकसित करने का माध्यम भी है। उन्होंने प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के उत्साह और साहस की सराहना करते हुए कहा कि खेल में जीत और हार से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना होती है। उन्होंने खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास जारी रखने की सलाह दी और कहा कि निरंतर मेहनत के बल पर सफलता हासिल की जा सकती है।

बालिका वर्ग में खिलाड़ियों के बीच 55 पदक वितरित किए गए। इनमें 20 स्वर्ण, 19 रजत और 16 कांस्य पदक शामिल रहे। डीएवी सिंदरी ने छह पदकों के साथ बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें तीन स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक शामिल है। डीएवी अग्रसेन के खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण,

लोगों को भा रही जेएसएलपीएस की महिलाओं के हाथों बनी राखियां

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका,। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार और बाजार से जोड़ने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में जिले के रानीश्वर प्रखंड अंतर्गत शादीपुर गांव की महादेव सखी मंडल की दीदियों की ओर से रक्षाबंधन के अवसर पर आकर्षक और पूरी तरह हस्तनिर्मित राखियां तैयार की जा रही हैं।

महादेव सखी मंडल की अनुषा चक्रवर्ती, मंदाकिनी चक्रवर्ती, दीपाली गोस्वामी एवं शीला चक्रवर्ती अपने हुनर से विभिन्न प्रकार की सुंदर राखियां तैयार कर रही हैं। इन राखियों की खासियत यह है कि सभी राखियां पूरी तरह हाथ से बनाई जा रही हैं। राखियों को बनाने में मौली, कॉटन धागा, जूट फैब्रिक, स्टोन, धान, कौड़ी, फैब्रिक ग्लू, सजावटी धागा, लेस और प्लास्टिक मोती सहित अन्य सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। स्थानीय कला और महिलाओं की रचनात्मकता से तैयार ये राखियां लोगों को काफी आकर्षित कर रही हैं।इन हस्तनिर्मित राखियों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार में बिक्री की जिम्मेदारी समाज लाहा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, रानीश्वर ने संभाल रखी है। कंपनी इन उत्पादों को ग्राहकों तक पहुंचाने और ग्रामीण महिलाओं के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराने में सहयोग कर रही है।राखियों की बिक्री के लिए रघुनाथपुर में स्टॉल लगाया गया है, जहां 10 और 20 रुपए की कीमत पर विभिन्न प्रकार की हस्तनिर्मित राखियां उपलब्ध हैं।

जेपीएससी नियुक्ति प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता जताना गंभीर : देवेन्द्रनाथ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,: जेपीएससी-जेएसएससी की भर्ती व्यवस्था में सुधार और कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों की भर्ती सुधार यात्रा मंगलवार को हजारीबाग पहुंची।रामगढ़ के नेमार से शुरू हुई यात्रा चतरा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए गिद्धौर, कटकमसांडी सहित कई स्थानों से गुजरी। इस दौरान छात्रों ने जनसभाओं के माध्यम से युवाओं और अभिभावकों को भर्ती व्यवस्था में सुधार की जरूरत को लेकर जागरूक किया।

मौके पर देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि जेपीएससी और जेएसएससी की नियुक्ति प्रक्रिया को

लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से चिंता जताया जाना गंभीर विषय है। सरकार को युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष और पारदर्शी नियुक्ति व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।उन्होंने कहा कि ह्यभर्ती सुधार यात्राह्न का उद्देश्य पूरे राज्य में छात्रों और अभिभावकों को जागरूक कर भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही की मांग को मजबूत करना है। यात्रा में मनोज यादव, पूजा महतो, उदय मेहता, प्रेम नायक, रामावतार महतो, अयुब अली, विनय मेहता और राजेश प्रसाद समेत बड़ी संख्या में छात्र सहित अभिभावक शामिल रहे। यात्रा बुधवार को कोडरमा पहुंचेगी।देर शाम यात्रा हजारीबाग के गांधी मैदान पहुंची, जहां छात्रों और अभिभावकों की जुटान हुई। यहां से प्रतिभागियों ने मानव शृंखला बनाते हुए कोरा चौक तक मार्च किया।यात्रा का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि राज्य की भर्ती व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि नियुक्तियों को लेकर सरकार की कार्यशैली से युवाओं में असंतोष बढ़ रहा है और मेधावी अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

संक्षिप्त खबरें

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से कराया अवगत

हाजीपुर (एजेंसी): सोमवार को मुख्यालय, हाजीपुर में 07 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया । महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए।

रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते है।

उत्साहपूर्वक मनाया गया ग्रीन डे व सावन महोत्सव

बक्सर, (एजेंसी): इटाढ़ी रेलवे क्रॉसिंग के समीप स्थित ग्लोबल विजडम स्कूल में ग्रीन डे के साथ सावन महोत्सव का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और पेड़ों को सुरक्षित रखने का संदेश समाज तक पहुंचाना रहा।

विद्यालय के निदेशक प्रकाश पांडेय ने हरी झंडी दिखाकर बच्चों की पर्यावरण जागरूकता रैली को रवाना किया। कतारबद्ध होकर बच्चों ने पेड़ लगाओ-हरियाली बचाओ, हमारी धरती करे पुकार, पेड़ लगाकर करो उद्धार, वृक्ष लगाओ-देश बचाओ और आओ मिलकर पेड़ लगाएं, धरती को हम स्वर्ग बनाएं जैसे नारों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

इस दौरान बच्चों ने आकर्षक कांवर यात्रा का पथ संचलन करते हुए शिव मंदिर परिसर में पहुंचकर भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश एवं भगवान कार्तिकेय की पूजा-अर्चना की।

विद्यालय परिसर में मेहंदी प्रतियोगिता, कजरी गायन, चित्रकला, क्राफ्ट, ॐ-त्रिशूल एवं सावन नृत्य सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विद्यालय की प्रधानाचार्या निशा राय एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आयोजन के माध्यम से बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण के साथ भारतीय संस्कृति और सावन की परंपराओं का संदेश भी दिया।

लग्जरी ब्रांड की हरियाणा निर्मित विदेशी शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

बक्सर, (एजेंसी): शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार की संध्या वीर कुंवर सिंह चेक पोस्ट पर चेक पोस्ट प्रभारी कुंदन कुमार के नेतृत्व में वाहन जांच के दौरान हरियाणा निर्मित महंगी ब्रांड की विदेशी शराब की खेप बरामद की गई।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने वाहन संख्या बीआर 26 ईएफ 9466 को जब्त करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

बरामद शराब में रॉयल स्टैग व्हिस्की की 192 बोतल (144 लीटर), ब्लेंडेड प्राइड व्हिस्की की 36 बोतल (27 लीटर) तथा मैजिक मोमेंट की 30 बोतल (22.5 लीटर) शामिल है। कुल 258 बोतलों में 193.5 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गणेश कुमार मित्तल, उम्र 28 वर्ष तथा सुमित कुमार शर्मा, उम्र 34 वर्ष के रूप में हुई है।

पुलिस दोनों से पूछताछ कर शराब की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था, इसकी जानकारी जुटा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली-कामाख्या मेल का बदलेगा मार्ग,गया जंक्शन होकर चलेगी

गया जी(एजेंसी): रामपुर डुमरा जंक्शन और ताल जंक्शन पर प्री-एआई (प्री-ऑटोमेटिक इंटरलॉकिंग) से संबंधित कार्य के कारण रेलवे ने दिल्ली-कामाख्या मेल के परिचालन में अस्थायी बदलाव किया है। इसके तहत 20 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रतिदिन चलने वाली गाड़ी संख्या 15657 दिल्ली-कामाख्या मेल अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग से चलेगी। रेल सूत्रों ने बताया कि यह ट्रेन दिल्ली जंक्शन से प्रस्थान करने के बाद डीडीयू जंक्शन, सासाराम जंक्शन, गया जंक्शन, नवादा और किऊल जंक्शन होकर कामाख्या की ओर जाएगी। मार्ग परिवर्तन के कारण गया जंक्शन से होकर गुजरने वाली इस ट्रेन के यात्रियों को निर्धारित अवधि में सुविधा मिलेगी। हालांकि यात्रियों को यात्रा से पहले ट्रेन के समय और ठहराव की जानकारी रेलवे से जांच लेने की सलाह दी गई है। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 15658 कामाख्या-दिल्ली मेल भी 20 सितंबर से 2 अक्टूबर तक परिवर्तित मार्ग से चलेगी। यह ट्रेन कामाख्या जंक्शन से चलकर किऊल जंक्शन, नवादा, गया जंक्शन, सासाराम जंक्शन और डीडीयू जंक्शन होते हुए दिल्ली की ओर जाएगी।

रेलवे के इस निर्णय से गया, नवादा और आसपास के यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग से इस महत्वपूर्ण मेल ट्रेन की सेवा उपलब्ध रहेगी। प्री-एआई कार्य पूरा होने के बाद ट्रेनों का परिचालन पुनः निर्धारित मार्ग से किए जाने की संभावना है।

दलितों, पिछड़ों एवं अकलियतों के सामाजिक उत्थान में बी. पी. मंडल का बड़ा योगदान रहा : मंगनीलाल मंडल

पटना, (एजेंसी): राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय पटना में मंगलवार को महान समाजवादी नेता, पूर्व मुख्यमंत्री एवं मंडल आयोग के पूर्व अध्यक्ष स्व. बी.पी.मंडल की जयन्ती राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल की अध्यक्षता में मनायी गयी। इस अवसर पर स्व. मंडल के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर मंगनी लाल मंडल ने कहा कि देश में जब भी सामाजिक परिवर्तन की बात होगी स्व. मंडल का नाम गर्व से लिया जायेगा। देश और समाज उन्हें वंचितों का सच्चे हितैषी के रूप में हमेशा याद रखेगा। साथ ही उन्होंने हमेशा पिछड़े, दलित एवं अकलियत समाज के उत्थान की लड़ाई लड़ते रहे। देश में पिछड़े और दलित जातियों का अध्ययन कर जो रिपोर्ट भारत सरकार को सौंपा गया उसे मंडल आयोग के नाम से जाना गया। तदुपरान्त उसी मंडल आयोग की रिपोर्ट को तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. वी.पी. सिंह ने 1990 के दशक में लागू कर दिया और पिछड़ों को सत्ता एवं नौकरी में इसके बाद अधिकाधिक भागीदारी मिली। मंगनी लाल मंडल ने कहा कि सामाजिक परिवर्तन के पुरोधा बी.पी. मंडल के द्वारा जो पिछड़ों के आरक्षण के लिए अनुशंसा की गई थी उसी का परिणाम रहा की आज पूरे भारत वर्ष में पिछड़ा वाद की राजनीति को बल मिला। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव बीनु यादव, राजद नेता शक्ति सिंह यादव, एजाज अहमद, चितरंजन गगन, मधु मंजरी, मुकुंद सिंह, मदन शर्मा, फैयाज आलम कमाल, हरेंद्र कुमार कुशवाहा, संजय यादव, निर्भय अंबेडकर, डॉ.प्रेम कुमार गुप्ता, बबलू मालाकार प्रमोद कुमार राम, राजेश पाल, राजेश यादव, महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी, कुमर राय, अनीता भारती, डॉ.लालदेव प्रसाद यादव, आरिफ हुसैन, सुनीता कुशवाहा, योगेंद्र प्रसाद यादव, गणेश कुमार यादव, विमल कुमार राय, शिवेंद्र कुमार तांती, जॉनसन पेन, रामेश्वर राय, नितेश पाठक, डॉ.राजेश सक्सेना, रीना चौधरी, उपेंद्र यादव, डॉ.सतीश कुमार, अमरजीत कुमार यादव, अजय कुमार यादव, दिनेश कुमार राम, चंदेश्वर प्रसाद सिंह सहित अन्य गणमान्य लोगों ने स्व. वी.पी. मंडल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार युवक को रौंदा, मौके पर मौत, चालक फरार

सुपौल, (एजेंसी): सुपौल जिले के करजाईन थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 24 वर्षीय बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सतपोखरिया के समीप एनएच-106 पर तेज रफ्तार बस ने बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद बस चालक वाहन लेकर फरार हो गया। मृतक की पहचान रतनपुर थाना क्षेत्र के सोनापुर गांव निवासी मोहम्मद कलीमुद्दीन के 24 वर्षीय पुत्र रब्बान अंसारी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रब्बान मुंबई में सिलाई का काम करता था और कुछ दिन पहले ही गांव लौटा था। मंगलवार को वह किसी जरूरी काम से बाइक पर सवार होकर सिमराही बाजार जा रहा था।

बताया जाता है कि रब्बान बाइक से सिमराही की ओर जा रहा था। इसी दौरान सतपोखरिया के पास वीरपुर की तरफ से आ रही ह्यराहुल राजह्न नामक बस ने उसकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रब्बान गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बस चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही करजाईन थानाध्यक्ष मनीष कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार कराया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सुपौल भेज दिया। रब्बान की अचानक मौत की खबर जैसे ही सोनापुर गांव पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पटना में नगर पुलिस अधीक्षक के नाम से फर्जी प्रेस विज्ञप्ति वायरल, पुलिस ने दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी

पटना, (एजेंसी): पटना नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी), पटना के कार्यालय ने उनके नाम, आधिकारिक पत्रांक, ईमेल आईडी और दूरभाष नंबर का दुरुपयोग कर फर्जी प्रेस विज्ञप्ति तैयार कर मीडिया एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किए जाने के मामले में सख्त चेतावनी जारी की है। कार्यालय की ओर से स्पष्टीकरण सह प्रेस विज्ञप्ति जारी कर स्पष्ट किया गया है कि वायरल हो रही संबंधित प्रेस विज्ञप्ति पूरी तरह फर्जी है और इसे नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी), पटना की ओर से जारी नहीं किया गया है। पुलिस प्रशासन के संज्ञान में आया कि 25 अगस्त 2026 को नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) के नाम और पत्रांक संख्या 661/26 का कथित रूप से इस्तेमाल करते हुए एक फर्जी प्रेस विज्ञप्ति तैयार की गई। इसमें कार्यालय की आधिकारिक ईमेल आईडी और दूरभाष नंबर का भी अनधिकृत तरीके से उपयोग किया गया। इसके बाद इस दस्तावेज को मीडिया संस्थानों और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया गया। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि संबंधित प्रेस विज्ञप्ति का नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) कार्यालय से कोई संबंध नहीं है। पुलिस के अनुसार, कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस प्रशासन की आधिकारिक मुहर, पत्रांक और संपर्क विवरण की नकल कर भ्रामक दस्तावेज तैयार किया और उसे वास्तविक सरकारी विज्ञप्ति के रूप में प्रसारित करने का प्रयास किया।पटना पुलिस प्रशासन ने वायरल फर्जी प्रेस विज्ञप्ति को पूरी तरह निरस्त कर दिया है। साथ ही सभी मीडिया संस्थानों, डिजिटल न्यूज पोर्टलों और सोशल मीडिया चैनलों से इसे तत्काल प्रभाव से हटाने का निर्देश दिया गया है।

गया जंक्शन पर 49 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

आरपीएफ-जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई, हरियाणा से शराब की तस्करी का खुलासा

गया जीः गया जंक्शन पर पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत अपराध नियंत्रण एवं अवैध गतिविधियों की निगरानी के दौरान आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने मंगलवार को ऑपरेशन सतर्क के तहत एक युवक को 49 बोतल अंग्रेजी शराब (29.25 लीटर) के साथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई गया रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 02/03 पर बने मिडिल फुट ओवरब्रिज के नीचे की गई। सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह ने बताया कि शराब तस्करी में शामिल गिरफ्तार युवक की पहचान नवादा जिले के अकबरपुर थाना क्षेत्र के धनवारा गांव निवासी शिव शंकर कुमार के रूप में हुई है। टीम ने उसके पास से दो कार्टून बरामद किए। एक कार्टून में 750 एमएल की 29 बोतल रॉयल स्टैग प्रीमियर व्हिस्की तथा दूसरे हरे रंग के कार्टून में 375 एमएल की 20 बोतल आइकोनिक व्हाइट फाइनेस्ट इंटरनेशनल ग्रेन व्हिस्की बरामद की गई। बरामद शराब की कुल मात्रा 29.25 लीटर है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 30 हजार रुपये बताई गई है।

पूछताछ में हरियाणा से शराब लाने की बात स्वीकारी

पूछताछ के दौरान गिरफ्तार युवक ने शराब हरियाणा से बिहार लाने की बात बताई। आरपीएफ की ओर से की गई शिकायत के आधार पर उसे जीआरपी थाना गया को सौंप दिया गया। मामले में जीआरपी थाना में मामला दर्ज की गई है।

डीडीयू रेल मंडल के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर ने बताया कि गया जंक्शन सहित डीडीयू रेल मंडल क्षेत्र में शराब तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

मिलाद-उन-नबी के जुलूस को लेकर प्रशासन अलर्ट, संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी

किशनगंज, (एजेंसी): मिलाद-उन-नबी के अवसर पर 26 अगस्त को जिलेभर में प्रस्तावित जुलूस को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है।

मंगलवार को जिलाधिकारी नवीन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ब्रीफिंग की गई।

इस दौरान अधिकारियों को विधि-व्यवस्था, सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और संवेदनशील स्थलों की निगरानी को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि पर्व के दौरान जिले में हर हाल में शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखा जाए। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में समय से पहुंचकर जुलूस के मार्ग,

संवेदनशील स्थलों एवं संभावित चुनौतियों का पूर्व आकलन करें।

जुलूस के दौरान निर्धारित मार्ग, समय और प्रशासनिक निदेशों का सख्ती से पालन कराया जाए। नियमों का उल्लंघन होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। एसपी संतोष कुमार ने पुलिस पदाधिकारियों एवं दंडाधिकारियों को लगातार क्षेत्र भ्रमण, पेट्रोलिंग और एरिया डोमिनेशन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती करने को कहा गया।

भीड़ नियंत्रण, फोर्स डिप्लॉयमेंट और आपात स्थिति से निपटने की तैयारियां दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विशेष निगरानी रखने को कहा।

भ्रामक, आपत्तिजनक या सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली सामग्री के प्रसार पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। आम लोगों से भी अपुष्ट सूचना और अफवाहों को सोशल मीडिया पर प्रसारित नहीं करने की अपील की गई।

संवेदनशील स्थानों पर जरूरत के अनुसार सीसीटीवी एवं वीडियोग्राफी की व्यवस्था, स्वयंसेवकों की पहचान सुनिश्चित करने और उन्हें पूर्व में ब्रीफ करने का निर्देश दिया गया।

जिला एवं अनुमंडल स्तर की क्विक रिस्पांस टीम को अलर्ट रहने को कहा गया। अग्निशमन, एंबुलेंस सहित अन्य आपातकालीन सेवाओं को भी तत्पर रखने का निर्देश दिया गया। जुलूस मार्गों पर विद्युत तार, अवरोध एवं अन्य संभावित जोखिमों की जांच, साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त रखने को कहा गया।

शांति समिति की बैठक एवं मा-इकिंग के माध्यम से लोगों को भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने के लिए जागरूक करने का निर्देश दिया गया। बैठक में एसडीओ, विशेष कार्य पदाधिकारी, डीएसपी, दंडाधिकारी, बीडीओ, सीओ एवं थानाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े।

सीवान में विशेष अभियान के तहत 25 अगस्त से चार लाख से अधिक लोगों की होगी अनीमिया जांच

सीवान, (एजेंसी): अनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत अनीमिया मुक्त बिहार विशेष अभियान का शुभारंभ मंगलवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वर्चुअल माध्यम से किया। इसके बाद सीवान में जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा, भा.प्र.से. की अध्यक्षता में सिविल सर्जन कार्यालय स्थित सभाकक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिलाधिकारी ने बताया कि सीवान जिले में 25 अगस्त से 30 नवंबर 2026 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान सभी आयु वर्ग के लोगों की अनीमिया जांच की जाएगी, जिसमें किशोरियों एवं महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। जांच के बाद जरूरत के अनुसार उपचार, आयरन-फोलिक एसिड की उपलब्धता और रेफरल सेवा सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों, जिला अस्पताल से लेकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक अनीमिया की जांच की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा समुदाय स्तर पर वीएचएसएनडी और पीएमएसएमए सत्रों तथा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत चलने वाले चलंत चिकित्सा दलों के माध्यम से सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में भी जांच की जाएगी।

50 महिलाओं की हुई अनीमिया जांच

सिविल सर्जन डॉ श्रीनिवास प्रसाद ने बताया कि अभियान के शुभारंभ के अवसर पर 50 महिलाओं की अनीमिया जांच की गई। जांच रिपोर्ट में 32 महिलाओं में अनीमिया नहीं पाया गया, जबकि 10 महिलाओं में माइल्ड अनीमिया और 8 महिलाओं में मा-डरेट अनीमिया की पुष्टि हुई.अनीमिया पाए जाने वाली महिलाओं को आवश्यकतानुसार उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। अभियान के दौरान लोगों को अनीमिया से बचाव के उपायों के बारे में परामर्श दिया जाएगा.जांच में अनीमिया पाए जाने पर आवश्यकतानुसार उपचार एवं उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफरल की व्यवस्था भी की जाएगी।

जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य स्तर से सीवान जिले के लिए 4 लाख 24 हजार 500 लाभार्थियों की अनीमिया जांच का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह लक्ष्य जिले की 283 पंचायतों में प्रतिदिन 20 लाभार्थियों की जांच और 75 कार्य दिवस के आधार पर तय किया गया है। उन्होंने सभी प्रखंडों को निर्देश दिया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सभी आयु वर्ग के लोगों की शत-प्रतिशत जांच सुनिश्चित की जाए और अनीमिया से पीड़ित पाए जाने वाले लोगों को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए.कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त सीवान, सिविल सर्जन, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी, सदर अस्पताल के अधीक्षक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सहित चिकित्सक एवं पारा मे-डिकल कर्मी उपस्थित रहे।

सो रहे बुजुर्ग दंपती की धार-दार हथियार से हत्या

समस्तीपुर, (एजेंसी): समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के भरपुरा पटपारा गांव में सोमवार देर रात एक बुजुर्ग दंपती की कथित तौर पर धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह दोनों के शव सड़क किनारे स्थित उनकी झोपड़ी में मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान बंगाली दास (70) और उनकी पत्नी धनमा देवी (65) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दंपती वार्ड नंबर 11 में स्थित झोपड़ी में अकेले रहते थे और पिछले कई वर्षों से वहीं रह रहे थे। दोनों दो मवेशियों को पालकर अपना जीवन-यापन करते थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक, दंपती का किसी से कोई ज्ञात विवाद नहीं था। उनके तीन बेटे राम विनोद, राम आशीष और राम सिंह विदेश में मजदूरी करते हैं, जबकि दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, मंगलवार सुबह एक दूध विक्रेता दंपती की झोपड़ी पर पहुंचा और काफी देर तक आवाज लगाता रहा। अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर उसने आसपास के लोगों को सूचना दी। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर झोपड़ी के अंदर देखा तो दंपती मृत अवस्था में पड़े थे। ग्रामीणों का कहना है कि मौके पर पहुंचने के समय झोपड़ी का दरवाजा बाहर से बंद था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। मिथिला क्षेत्र के डीआईजी मनोज कुमार तिवारी, समस्तीपुर के एसपी अरविंद प्रताप सिंह और डीएसपी संजय सिन्हा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच की निगरानी की। पुलिस के मुताबिक, दोनों के शरीर पर धारदार हथियार से किए गए कई वार के निशान मिले हैं। गर्दन समेत शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें थीं। डीएसपी संजय सिन्हा ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि दंपती की हत्या धारदार हथियार से की गई है। पुलिस हत्या के सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है और आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही हत्या के कारण और इसमें शामिल लोगों का पता लगाने में जुटी है। सीपीआई(एम) विधायक अजय कुमार ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी ली। उन्होंने वारदात को बेहद क्रूर बताते हुए प्रशासन और एसपी से निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की।

बीपीएससी अभ्यर्थियों पर पुलिस की बर्बरता शर्मनाक- राजेश राम

पटना,(एजेंसी): मंगलवार को पटना में अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने पहुंचे बीपीएससी अभ्यर्थियों पर पुलिस द्वारा की गई बर्बर कार्रवाई बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज कर उनकी आवाज दबाने की कोशिश लोकतांत्रिक मूल्यों का खुला उल्लंघन है। बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) पहुंचकर पुलिस कार्रवाई में घायल हुए छात्रों का हालचाल जाना। उन्होंने घायल छात्रों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उन्हें हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बिहार में अपने अधिकारों और भविष्य के लिए आवाज उठाने वाले छात्रों के साथ सरकार का यह रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। छात्रों की समस्याओं का समाधान संवाद और संवेदनशीलता से होना चाहिए, न कि लाठी और दमन से। उन्होंने कहा कि बीपीएससी अभ्यर्थी अपने भविष्य और रोजगार से जुड़े सवाल उठा रहे हैं। उनकी आवाज सुनने के बजाय उन पर पुलिस की कार्रवाई करना सरकार की असंवेदनशीलता को दशार्ता है।

छात्र सवाल पूछें तो लाठी, हक मांगें तो दमन-क्या यही सम्राट का ह्यसुशासनह्ल है?

उन्होंने सरकार से मांग की कि घायल छात्रों का समुचित इलाज सुनिश्चित किया जाए, पुलिस की बर्बर कार्रवाई की निष्पक्ष जांच हो तथा शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे बीपीएससी अभ्यर्थियों की मांगों पर तत्काल संवाद स्थापित कर उचित समाधान निकाला जाए।

विद्यार्थी सहयोग शिविर का शुभारंभ, छात्राओं ने डीएम के समक्ष रखे सुझाव

बक्सर, (एजेंसी): जिला मुख्यालय स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर बालिका छात्रावास, कोईरपुरवा में मंगलवार को विद्यार्थी सहयोग शिविर का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पदाधिकारी साहिला एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने छात्राओं को विद्यार्थी सहयोग शिविर के उद्देश्य की जानकारी देते हुए बताया कि इसके माध्यम से संबंधित पोर्टल पर सुझाव एवं शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध है।उन्होंने छात्राओं से अपनी समस्याओं और सुझावों को बेझिझक साझा करने की अपील की।

वहीं, पुलिस अधीक्षक श्री शुभम आर्य ने छात्राओं को साइबर मंगलवार अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने साइबर अपराध से बचाव, सतर्कता और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान छात्रावास में उपस्थित छात्राओं ने जिला पदाधिकारी के समक्ष अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव एवं समस्याएं रखीं। जिला प्रशासन की ओर से उनकी बातों को गंभीरता से सुना गया।इसके अलावा डॉ.

संपादकीय

भूत नहीं, वर्तमान और भविष्य की चिंता कीजिए

भारत की राजनीति को अतीत से सीखने की जरूरत है, लेकिन अतीत में रहने की नहीं। दुर्भाग्य से पिछले कई दशकों में राजनीतिक बहस बार-बार पुराने विवादों, पुराने आरोपों और पुराने घावों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। कभी बोफोर्स, कभी 2जी, कभी कोयला आवंटन, कभी राम मंदिर, कभी नेहरू, कभी गांधी परिवार, कभी विभाजन और कभी दशकों पुरानी घटनाओं की फाइलें–राजनीति का एक बड़ा हिस्सा आज भी इतिहास की गलियों में भटकता दिखाई देता है।

सवाल यह है कि क्या पुराने विवादों को बार-बार राजनीतिक हथियार बनाने से भारत का भविष्य बेहतर होगा?

अतीत की घटनाओं की निष्पक्ष जांच और न्याय का अपना महत्व है। यदि किसी अपराध के पीड़ितों को न्याय नहीं मिला है, तो समय बीत जाने से न्याय की आवश्यकता समाप्त नहीं हो जाती। लेकिन न्याय और राजनीतिक लाभ के लिए इतिहास का इस्तेमाल–इन दोनों के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए। कानून का उद्देश्य न्याय होना चाहिए, राजनीतिक ध्रुवीकरण नहीं।

बोफोर्स का विवाद इसका एक बड़ा उदाहरण है। यह मामला वर्षों तक भारतीय राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का प्रमुख विषय बना रहा। जांच हुई, विदेशों तक में प्रयास हुए और राजनीतिक संघर्ष चलता रहा। लेकिन इतने लंबे राजनीतिक अभियान के बावजूद यह मामला उस तरह का निर्णायक परिणाम नहीं दे सका, जैसा चुनावी राजनीति में उसके आधार पर दावा किया गया था। इस पूरे प्रकरण ने एक महत्वपूर्ण सवाल जरूर खड़ा किया–क्या किसी आरोप को दशकों तक राजनीतिक हथियार बनाए रखना लोकतांत्रिक राजनीति के लिए स्वस्थ है?

इसी तरह 2जी और कोयला आवंटन जैसे मामलों ने भी भारतीय राजनीति को लंबे समय तक प्रभावित किया। जांच एजेंसियों, न्यायपालिका, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक तथा राजनीतिक दलों के बीच इन मामलों को लेकर अलग-अलग निष्कर्ष और व्याख्याएं सामने आईं। इससे यह सीख मिलनी चाहिए कि किसी भी बड़े आरोप का अंतिम मूल्यांकन राजनीतिक भाषणों से नहीं, बल्कि प्रमाण, जांच और न्यायिक प्रक्रिया से होना चाहिए।

लेकिन आज की सबसे बड़ी समस्या यह है कि अतीत की बहस वर्तमान के वास्तविक सवालों को पीछे छोड़ रही है।

उस व्यक्ति को आलोचना करने का अधिकार है जो सहायता करने की भावना रखता है।
: अब्राहम लिंकन

हमारी सबसे बड़ी महानता गिरने से बचने में नहीं है बल्कि हर बार गिरकर उठने में निहित है।
:कन्फ्यूशियस

सूडोकु नवताल- 7614

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7613 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

दैनिक पंचांग

26 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.18 बजे से
चंद्र	मकर में	तुला	09.28 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	11.43 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.59 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	16.04 बजे से
शुक्र	कन्या में	कुंभ	17.51 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.23 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.54 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.34 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मिथुन	00.32 बजे से
		कर्क	02.46 बजे से
		सिंह	05.02 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 238 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 08.00 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 00.48 बजे रात्र को समाप्त।
योग सौभाग्य 08.00 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 08.00 बजे तदनन्तर गर 20.38 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 13.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10° 29'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872813
जूलियन दिन 2461278.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उलावल **तारीख** 12
विशेष ओणम, ऋग्वेद उपाकर्म।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

ज्ञान दीक्षा, स्वाध्याय व सामाजिक संकल्प का कालजयी अनुष्ठान ऋग्वैदिक उपाकर्म

वैदिक वांग्मय की आधारशिला ज्ञान की अक्षुण्णता, सत्य की संसिद्धि और मानव चेतना के ऊध्र्वारोहण पर टिकी है। सनातन मेधा ने सभ्यता के आदिकाल से ही मानव जीवन को सुसंस्कृत, मर्यादित और उत्कृष्ट बनाने के लिए षोडश संस्कारों की एक सुदृढ़ संरचना विकसित की। इन संस्कारों में विद्यारंभ और उपनयन चेतना के प्रथम जागरण बिंदु हैं, तो उपाकर्म (श्रावणी उपाकर्म) उस अर्जित ज्ञान को काल प्रवाह में मलिन होने से बचाने, उसे निरंतर पुनर्नवीकृत करने और गुरु-शिष्य परंपरा को जीवंत रखने का एक वार्षिक महापर्व है।

शाब्दिक व्युत्पत्ति की दृष्टि से देखने से उपाकर्म शब्द दो अवयवों के योग से निष्पन्न होता है- उपा (समीप) और कर्म (क्रिया या अनुष्ठान)। अर्थात वह अनुष्ठान जो हमें वेदों, उपनिषदों और ऋषियों के ज्ञान के सामीप्य में ले जाए। ऐतरेय ब्राह्मण एवं कौषीतकि ब्राह्मण के कतिपय संकेत यह सिद्ध करते हैं कि ज्ञान जब व्यावहारिक जीवन की आपाधापी में विस्मृत होने लगता है, तब उसे पुनः संचित और शोधित करने की प्रक्रिया का नाम ही उपाकर्म है। यह केवल एक बाह्य कर्मकांड या सूत के धागे (यज्ञोपवीत) को परिवर्तित करने मात्र का उपक्रम नहीं है, अपितु यह मेधा के परिष्कार, अतीत के दोषों के प्रायश्चित और भावी ज्ञान-साधना का एक गंभीर संकल्प है।

उल्लेखनीय है कि बाह्य परिवर्तन तब तक निरर्थक है, जब तक अंतश्चेतना का पुनर्जन्म (द्विजत्व) न हो। ऋग्वैदिक परंपरा में ज्ञान का संचरण मौखिक था। श्रुति और स्मृति के माध्यम से ऋषि-कुल अपनी ज्ञान राशि को सुरक्षित रखते थे। ऋग्वेद 7/103 के सुप्रसिद्ध माण्डूक सूक्त में वर्षा ऋतु के आगमन पर शिष्यों द्वारा गुरु के पीछे वेदमन्त्रों के सस्वर पाठ की तुलना बादलों के गरजने पर मेंढकों की ध्वनि से की गई है-

संवत्सरं शशयाना ब्राह्मण व्रतचारिणः।

वाचं पर्जन्यजिन्वितां प्र मण्डूका अवादिषुः।।

- ऋग्वेद 7/103/1

यह सूक्त ऐतिहासिक रूप से इस सत्य की पुष्टि करता है कि चातुर्मास अथवा वर्षा ऋतु के प्रारंभ में, जब संपूर्ण चराचर जगत नवजीवन से स्पंदित होता था, तब ब्रह्मचारी और आचार्य अपने वार्षिक व्रत का आरंभ करते थे। यही व्रत कालान्तर में श्रवण नक्षत्र से युक्त पूर्णिमा को श्रावणी उपाकर्म के रूप में सुप्रतिष्ठित हुआ।

सूत्र-साहित्य में इस अनुष्ठान को अधिक वैज्ञानिक और विधिबद्ध रूप दिया गया। आश्वलायन गृह्यसूत्र 3/5/1 में ऋग्वैदिक अनुयायियों के लिए स्पष्ट निर्देश है-

ओषधीनां प्रादुर्भावे श्रवणेन श्रावण्यां वा हस्तं पौर्णमास्यां वोपाकर्म।

अर्थात- जब वर्षा जल से धरा सिक्त हो जाए और औषधियां (वनस्पतियां) अंकुरित होने लगें, तब श्रवण नक्षत्र से युक्त श्रावण मास की पूर्णिमा को अथवा हस्त नक्षत्र युक्त पंचमी को उपाकर्म का संपादन किया जाना चाहिए।

यही बात पारस्कर गृह्यसूत्र 2/10 और गोभिल गृह्यसूत्र में भी दुहराई गई है। गृह्यसूत्रों का यह खगोलीय और पारिस्थितिकीय निर्धारण यह दर्शाता है कि हमारे ऋषियों ने ज्ञान के आरंभ को प्रकृति के नव उन्मेष के साथ जोड़ा था।

भारतीय प्राचीन ग्रन्थों में अंकित विवरणियों से स्पष्ट होता है कि उपाकर्म की संपूर्ण प्रक्रिया तीन मुख्य वैचारिक और क्रियात्मक स्तंभों पर टिकी दिखाई देती है- प्रायश्चित पक्ष, संस्कार पक्ष और स्वाध्याय पक्ष। ज्ञान की प्राप्ति के लिए अंतःकरण का शुद्ध होना अनिवार्य है। मलिन दर्पण पर सूर्य का प्रकाश प्रतिबिंबित नहीं हो सकता। अतः उपाकर्म का प्रथम चरण प्रायश्चित संकल्प है। पूर्व संचित पापों, मानसिक विकारों, अनजाने में हुए जीव-हिंसा और सामाजिक उत्तरदायित्वों से विमुख होने के दोषों के निवारण हेतु साधक हेमाद्रि संकल्प करता है। इसके उपरांत दशस्नान का विधान है, जिसमें भस्म, मृत्तिका (मिट्टी), गोमय (गोबर), गोदुग्ध, दधि, घृत, कुशा, सर्वौषधि और पवित्र जल से शरीर के विभिन्न अंगों का मार्जन किया जाता है। यह प्रक्रिया केवल शारीरिक शुद्धि नहीं, अपितु पंचमहाभूतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने और स्वयं को प्रकृति के अनुकूल ढालने का एक मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक शोधन है।

उपाकर्म का दृश्यमान और सर्वाधिक प्रचलित पक्ष है- यज्ञोपवीत परिवर्तन। यज्ञोपवीत (जनेऊ) कोई साधारण सूत्र नहीं है। यह तीन धागों का समुच्चय है, जो देव ऋण, पितृ ऋण और ऋषि ऋण का स्मरण कराते हैं। इसके नौ तंतु नव देवताओं (अग्नि, सोम, रुद्र, प्रजापति आदि) के प्रतीक हैं।

जब साधक प्राचीन यज्ञोपवीत का त्याग कर नवीन सूत्र धारण करता है, तो वह मन्त्र पढ़ता है-

यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात।

आयुष्यमग्र्यं प्रतिमुञ्च शुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः।।

सत्य यह है कि यह मन्त्र मनुष्य को उसके कर्तव्यों की परिधि में बांधता है। जनेऊ को बदलना इस बात का प्रतीक है कि भूतकाल में जो कर्तव्य च्युति हुई, उसका परिमार्जन कर अब नवीन ऊर्जा, बल और तेज के साथ धर्म पथ पर अग्रसर होना है। यह द्विजत्व (दूसरा जन्म) की घोषणा है, जहां मनुष्य भौतिकता से उठकर आध्यात्मिकता की ओर कदम बढ़ाता है।

उपाकर्म का मूल उद्देश्य है वेदों का अध्ययन (वेदाध्ययन)। प्राचीन काल में गुरु-कुलों में शिक्षा सत्र छह माह का होता था- श्रावण मास से पौष या माघ मास तक। उपाकर्म के दिन ऋषि तर्पण किया जाता है, जिसमें वेदों के द्रष्टा ऋषियों, जैसे कश्यप, अत्रि, भारद्वाज, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि, वसिष्ठ आदि सप्तऋषियों को जल की अंजलि देकर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है, जिन्होंने इस ज्ञान को अपनी तपस्या से हम तक पहुंचाया। इसके पश्चात नव अध्याय का पाठ आरंभ होता है, जिसे उत्सर्ज की प्रक्रिया के बाद पुनः स्थापित किया जाता है।

उपाकर्म के समय और उसकी प्रासंगिकता का वैज्ञानिक विश्लेषण करने से भारतीय मेधा की दूरदर्शिता चकित कर देती है। श्रावण पूर्णिमा (वर्षा ऋतु) के समय चातुर्मास में यात्रा निषेध होने के कारण एकाग्रता और स्वाध्याय के लिए अनुकूल समय होता है।

दशस्नान, पाप मुक्ति हेतु, प्राकृतिक द्रव्यों से स्नान त्वचा का शोधन, संक्रामक रोगों से रक्षा और प्रकृति से तादात्म्य स्थापन के लिए होता है।यज्ञोपवीत, परिवर्तन धार्मिक संस्कार है और नियम मानसिक अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व और संकल्प के नवीनीकरण का द्योतक है।

ऋषि तर्पण, पितरों और ऋषियों को जल दान इतिहास स्मरण, ज्ञान परंपरा और पूर्वजों के प्रति ऐतिहासिक कृतज्ञता ज्ञापन है।

प्राचीन भारत में वर्षा ऋतु में यात्राएं अत्यंत कठिन और असुरक्षित हो जाती थीं। नदियां उफान पर होती थीं और कीट-पतंगों का प्राकट्य बढ़ जाता था। ऐसे में ऋषियों, संतों और विद्यार्थियों के लिए एक स्थान पर ठहरना (चातुर्मास) अनिवार्य था। इस खाली समय का सदुपयोग कैसे हो? ऋषियों ने इसे स्वाध्याय और ज्ञान सत्र में बदल दिया। उपाकर्म इसी बौद्धिक सत्र का उद्घाटन था।

ईशावास्योपनिषद के जिस तीसरे मन्त्र का उल्लेख पूर्व में हुआ है- ह्ये के चात्महनो जनाःह्व (जो अपनी आत्मा का हनन करते हैं), वह उपाकर्म के वास्तविक दर्शन को समझने की कुंजी है। आत्महत्या केवल शरीर को नष्ट करना नहीं है, अपितु अज्ञान के अंधकार में रहकर अपनी विवेक-बुद्धि को मार देना भी आत्महनन ही है। उपाकर्म हमें इस आत्महनन के गर्त से बाहर निकालता है। अज्ञान रूपी अंधकार (अन्धेन तमसा) को केवल ज्ञान रूपी प्रकाश से ही काटा जा सकता है। जब साधक गायत्री मन्त्र का 10, 108 या 1008 बार जप करता है, तो वह उसी सविता (सूर्य) देव से प्रार्थना करता है कि हमारी बुद्धियों को सन्मार्ग की ओर प्रेरित करें। यह मेधा सूक्त का जागरण है, जो मनुष्य को अविद्या के बंधनों से मुक्त कर परम सत्य की ओर ले जाता है।

आज के यांत्रिक और सूचना विस्फोट के युग में उपाकर्म की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई है। आज शिक्षा केवल जीविकोपार्जन का साधन बनकर रह गई है, जिसमें से मूल्य और संस्कार लुप्तप्राय हैं। कृतज्ञता की संस्कृति अर्थात ऋषि तर्पण हमें सिखाता है कि हम जो भी ज्ञान आज भोग रहे हैं, वह हमारे पूर्वजों और ऋषियों के सदियों के शोध का परिणाम है। उनके प्रति कृतज्ञ होना हमारा नैतिक दायित्व है। वार्षिक उपाकर्म यह याद दिलाता है कि मनुष्य को वर्ष में कम से कम एक बार ठहरकर सोचना चाहिए कि उसने पिछले वर्ष क्या खोया, क्या पाया और उसके आचरण में कहां कमियां रहीं। यज्ञोपवीत के नियम और स्वाध्याय की परंपरा मनुष्य को उच्छृंखल होने से रोकती है। यह समाज में एक नैतिक अनुशासन की स्थापना करता है। ऋग्वैदिक उपाकर्म कोई मृत या सड़-गल चुकी परंपरा नहीं है, बल्कि यह सनातन धर्म की वह जाज्वल्यमान ज्ञान अग्नि है, जो हर वर्ष अपने ही राख से उठकर पुनर्जीवित हो जाती है। यह मनुष्य को जड़ता से चेतनता की ओर, तिमिर से ज्योति की ओर और बंधनों से मुक्ति की ओर ले जाने वाला पावन पथ है। जब तक संसार में ज्ञान की पिपासा रहेगी, जब तक मनुष्य सत्य की खोज में व्याकुल रहेगा, तब तक उपाकर्म की महत्ता अक्षुण्ण रहेगी। आइए, इस श्रावणी पर्व पर हम केवल सूत का धागा न बदलें, बल्कि अपनी मेधा को मांजकर राष्ट्र और मानवता के कल्याण के लिए स्वाध्याय और सदाचार का एक नया संकल्प लें। यही इस वैदिक अनुष्ठान की वास्तविक सार्थकता है और यही शाश्वत सत्य है।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

चुनावी आहट के बीच राहुल की फिर से लॉन्चिंग

15 अगस्त को अधूरा वंदे मातरम गाकर फजीहत झेलने वाला गांधी परिवार और कांग्रेस के दिग्गज नेता अब अपने और खासकर राहुल गांधी के वंदेमातरम के अपमान का बचाव करने के लिये तरह-तरह के स्वांग रचा रहे हैं। अधूरा वंदे मातरम गायन की फजीहत पर पर्दा डालने के लिये सबसे पहले राहुल गांधी संसद मार्ग पहुंच कर धरने पर बैठ गये। वह वहां पैलेट गन से घायल एक युवक की रिपोर्ट लिखाने गये थे, जिसकी जांच पहले ही सुप्रीम कोर्ट के आदेश से चल रही है। अभी तक तो यह भी पता नहीं चला है कि जंतर मंतर पर पैलेट गन चली भी थी या नहीं। पैलेट गन चलने का न कोई वीडियो सामने आया है न ही कोई गवाह। राहुल ने संसद मार्ग थाने पर लगभग चार-पांच घंटे तक धरना प्रदर्शन किया, मजबूरन पुलिस को अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट लिखना पड़ गई। क्योंकि पुलिस ज्यादा बखेड़ा खड़ा नहीं करना चाहती थी।

यह सिलसिला थमा ही था कि राहुल गांधी पुणे पहुंच गये जहां उनके लिये ह्यछात्रों की गूंजह्ल नाम से इवेंट रखा गया था। नाम तो छात्रों का था लेकिन यहां मोदी को गाली देने वाली एक कथित लोकगायिका मंच पर झंडा लहराते हुए मोदी को कोस रही थी। कोई लड़की राहुल को किस कर रही थी। राहुल ने यहां ऐसा कुछ नहीं कहा जिसे छात्रों की गूंज कहा जा सके। बल्कि वह वहां एक बुर्का और हिजाब पहने एक लड़की के सामने मनुस्मृति पर ज्ञान देने लगे कि मनुस्मृति में महिलाओं के लिये कितना उलटा सीधा बोला गया है, उन्हें आजादी नहीं दी गई है, जबकि वहां बुर्के और हिजाब में खड़ी लड़की के लिये एक शब्द नहीं निकला। वह न इस्लाम की कुरीतियों के बारे में कुछ बोल पाये न ही बाइबिल में महिलाओं के बारे में क्या कहा गया है इस पर उनका मुंह खुला।सबसे बड़ी बात यह थी कि राहुल की रिलॉन्चिंग करते समय भीड़ का इम्पैक्ट दिखाने के लिये इवेंट मैनेजरों ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के दौरान का एक वीडियो को राहुल के कार्यक्रम में जुटी भीड़ बताकर प्रमोट कर दिया गया। वैसे ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। राहुल गांधी को आगे बढ़ाने और मोदी के समकक्ष दिखाने के लिये अक्सर कांग्रेसी ऐसे पराक्रम करते रहते हैं।

कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी जिस तरह के पराक्रम कर रहे हैं उससे लगता है कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती राजनीतिक विश्वसनीयता और वैचारिक शुचिता का संकट बन चुकी है, खासकर राष्ट्रीय पर्वों और प्रतीकों के प्रति उनकी कथित उदासीनता के बाद जिस प्रकार के राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिल रहे हैं। जब स्वतंत्रता दिवस जैसे पावन अवसर पर राष्ट्रीय गान या राष्ट्रगीत के गायन में त्रुटियां सामने आती हैं और उसकी तीखी आलोचना शुरू होती है, तो उससे ध्यान भटकाने के लिए पार्टी द्वारा एक के बाद एक ऐसे राजनीतिक ड्रामे रचे जाते हैं जो जमीनी हकीकत से कोसों दूर और केवल मीडिया की सुर्खियों में बने रहने की रणनीति का हिस्सा प्रतीत होते हैं। संसद मार्ग थाने पर राहुल गांधी का लंबा धरना और उस मामले में पुलिस पर दबाव बनाकर रिपोर्ट दर्ज कराना, जिसकी विधिवत जांच पहले ही सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत चल रही हो, केवल प्रशासनिक व्यवस्था को असहज करने और एक कृत्रिम नैरेटिव गढ़ने का प्रयास ही कहा जा सकता है। इस तरह के आयोजनों से यह साफ झलकता है कि कांग्रेस नेतृत्व गंभीर मुद्दों पर वैचारिक स्पष्टता रखने के बजाय तात्कालिक लाभ और सिम्पथी गेन करने की राजनीति में उलझ गया है, जिसके कारण जनता के बीच उनकी छवि एक जिम्मेदार राष्ट्रीय विकल्प के रूप में उभरने के बजाय केवल विरोध की राजनीति करने वाले दल के रूप में सिमट कर रह गई है।

इसी कड़ी में पुणे का वह तथाकथित ह्यछात्रों की गूंजह्ल कार्यक्रम भी कांग्रेस की दिशाहीन कार्यशैली और इवेंट मैनेजमेंट की राजनीति का एक जीवंत उदाहरण बन गया, जहां छात्रों के मुद्दों पर बात करने के बजाय मंच का इस्तेमाल राजनीतिक एजेंडे और लक्षित बयानों के लिए किया गया। एक तरफ जहां आयोजनों की भव्यता और भीड़ का झूठा प्रभाव दिखाने के लिए पुरानी या विदेशी फुटेज का सहारा लिया जाता है, वहीं दूसरी तरफ भाषणों और वैचारिक बहसों में भी एकतरफा रुख अपनाया जाता है, जिससे आम जनता के बीच नेतृत्व की परिपक्वता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। यह विडंबना ही है कि जब राहुल गांधी जैसे नेता देश के पारंपरिक ग्रंथों और सामाजिक व्यवस्थाओं पर मुखर होकर व्याख्या करते हैं, तब वे समाज के एक वर्ग विशेष से जुड़ी कुरीतियों या संवेदनशील धार्मिक पहलुओं पर चुप्पी साध लेते हैं, जिससे उनकी कथनी और करनी में दोहराव का संदेश जाता है। इस तरह की चयनात्मक मुखरता और वैचारिक विरोधाभास के कारण ही पार्टी का केंद्रीय संदेश आम जनमानस तक सकारात्मक रूप में नहीं पहुंच पाता है, और पार्टी के रणनीतिकार हर बार सुधार के दावे करने के बावजूद उन्हीं पुरानी रणनीतियों पर लौट आते हैं जो बार-बार विफल साबित हो चुकी हैं।2004 से लेकर आज तक राहुल गांधी का राजनीतिक सफर क्यों अधिकांश मोर्चों पर संघर्षरत और चुनावी लिहाज से कमजोर रहा है, तो इसके पीछे कई आंतारिक और बाह्य कारण स्पष्ट रूप से नजर आते हैं। सबसे बड़ा कारण उनकी राजनीतिक निरंतरता और पूर्णकालिक समर्पण का अभाव रहा है, जिसे अक्सर राजनीतिक विश्लेषक एक अनिच्छुक नेता की छवि के रूप में देखते हैं। इसके विपरीत, उनके मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने लगातार धरातल पर मजबूत वैचारिक पकड़, कैडर-आधारित संगठन और जमीनी स्तर पर जनसंपर्क का ऐसा चक्रव्यूह तैयार किया, जिसके सामने कांग्रेस का हाइब्रिड और वंशवादी मॉडल टिक नहीं सका। वर्ष 2004 में जब कांग्रेस ने सत्ता में वापसी की थी, तब पार्टी के पास एक सामूहिक नेतृत्व और मजबूत क्षेत्रीय क्षत्रपों की एक लंबी फौज थी, लेकिन धीरे-धीरे पार्टी हाईकमान ने आंतारिक लोकतंत्र को कमजोर करते हुए सारे निर्णय परिवार केंद्रित कर दिए, जिससे राज्यों में मजबूत नेतृत्व उभरने की गुंजाइश खत्म होती चली गई। जब भी चुनाव आते हैं, राहुल गांधी आक्रामक तेवर तो दिखाते हैं, लेकिन उनका वह तेवर किसी दीर्घकालिक वैचारिक और संगठनात्मक ढांचे में ढलने के बजाय मौसमी और तुरंत लाभ उठाने वाला साबित होता है।

संगठन के स्तर पर दीमक की तरह लगी गुटबाजी और जमीनी कार्यकताओं से कटाव ने कांग्रेस की जड़ों को खोखला कर दिया है। चुनावों के समय केवल शीर्ष स्तर पर रैलियां कर देने या सोशल मीडिया पर बड़े इवेंट आयोजित कर लेने से चुनावी वैतरणी पार नहीं की जा सकती, क्योंकि इसके लिए बूथ स्तर पर मजबूत संगठन और जनता के साथ अटूट विश्वास की जरूरत होती है जो कांग्रेस के पास पिछले दो दशकों से नदारद है। इसके अलावा, जनता से जुड़े जमीनी मुद्दों को उठाने में निरंतरता का अभाव और हर बात पर केवल केंद्र सरकार के विरोध को ही अपनी एकमात्र राजनीति मान लेना भी कांग्रेस के पतन का एक बड़ा कारण रहा है। जब-जब पार्टी को आत्ममंथन करने और अपनी वैचारिक दिशा तय करने का अवसर मिला, तब-तब नेतृत्व ने जमीनी हकीकत को स्वीकार करने के बजाय इवेंट मैनेजमेंट और पीआर एजेंसियों के सहारे अपनी छवि चमकाने का शॉर्टकट चुना।

अजय कुमार

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारत को रीसाइक्लिंग केंद्र बनना है, दुनिया का कूड़ाघर नहीं

किसी देश की सीमाएं केवल नक्शे की रेखाएं नहीं; वे मिट्टी, पानी, हवा और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा की चौकी हैं। जब समुद्र पार से आया जहाज माल नहीं, दूसरे देश का कचरा उगलता है, तो मामला सीमा शुल्क से उठकर राष्ट्र की अस्मिता तक पहुंच जाता है। जून 2026 में तमिलनाडु के तूतीकोरिन बंदरगाह पर ह्यवेस्ट पेपरह्ल बताकर लाए कंटेनरों से इस्तेमाल प्लास्टिक बोतलें, डिब्बे, थैलियां और विदेशी सड़कों की झाड़-पोंछ निकलना इसी सच्चाई का प्रमाण है। मद्रास हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति डी. भारथा चक्रवर्ती ने इसे नियमों की धज्जियां उड़ाना नहीं, बल्कि भारत की धरती पर कचरा उड़ेलने वाला ह्यदेशद्रोह का गंभीर रूपह्ल कहा। यह शब्द चौंकाते हैं, क्योंकि हम पर्यावरणीय अपराध को अभी तक राष्ट्रीय अपराध की तरह देखना नहीं सीख पाए हैं।

विडंबना की इससे बड़ी तस्वीर क्या होगी–जिस देश में रोज लगभग 1.7 लाख टन नगरपालिका कचरा पैदा होता है, लैंडफिल कराह रहे हैं, नदियां प्लास्टिक से घुट रही हैं और मिट्टी में जहर उतर रहा है, वही भारत विदेशों का कचरा खरीद रहा है। 2024-25 में पुनर्चक्रण योग्य कचरे और स्क्रैप का आयात 12.74 अरब डॉलर पहुंच गया, जबकि 2021 से 2023 के बीच करीब दो करोड़ किलोग्राम प्लास्टिक कचरा (आधिकारिक और अवैध/गलत घोषणा वाले दोनों स्रोतों को मिलाकर) देश में आया। सवाल यह नहीं कि कितना कचरा काम आ सकता है; सवाल है कि जब देश में रीसाइक्लिंग उद्योग के लिए पर्याप्त सामग्री है, तो विदेशी कचरे की जरूरत किसे? यदि जवाब कारोबारी मुनाफा है, तो यह व्यापार नहीं, मुनाफे की पैकिंग में छिपा पर्यावरणीय शोषण है।यहां एक नए किस्म का उपनिवेशवाद जन्म लेता है। पहले शक्तिशाली देश गरीब देशों की जमीन और संसाधन हड़पते थे; अब अपने कचरे के लिए उन्हीं देशों की कमजोर निगरानी और सस्ते श्रम को खोजते हैं। विकसित देशों में पर्यावरणीय नियम जितने कठोर होते जाते हैं, जहरीला बोझ कमजोर व्यवस्थाओं वाले देशों पर डालने का लालच उतना बढ़ता है। भारत यदि इसे स्वीकार करता है तो वह केवल विदेशी कचरा नहीं खरीद रहा, बल्कि अपने लोगों का स्वास्थ्य, मिट्टी की उर्वरता और नदियों का भविष्य गिरवी रख रहा है। इसे ह्यवेस्ट कोलोनियलिज्मह्ल कहना अतिशयोक्ति नहीं। कचरा भी सत्ता का औजार हो सकता है–बस उसकी भाषा व्यापार और पुनर्चक्रण की होती है।

मद्रास हाईकोर्ट का महत्व यही है कि उसने सवाल को केवल ह्ययह कचरा कहां जाएह्ल तक सीमित नहीं किया। अदालत ने न दुबई भेजने, न भारत में जलाने-दफनाने की अनुमति स्वीकार की। बासेल कन्वेंशन और खतरनाक अपशिष्ट नियम, 2016 की भावना स्पष्ट है–अवैध कचरा उसी देश को लौटना चाहिए जहां से वह आया है। उसे किसी तीसरे देश के गरीब हिस्से में भेजना समाधान नहीं, अपराध की जिम्मेदारी खिसकाना है। घरेलू भट्ठियों में जला देना भी नैतिक विजय नहीं, क्योंकि वही विष धुएं के रूप में लौटेगा। अदालत ने केंद्र से बायोमेडिकल और नगरपालिका कचरे के पुनः निर्यात संबंधी प्रावधानों को स्पष्ट और कठोर बनाने का आग्रह कर जिम्मेदारी को नीति के दरवाजे तक पहुंचा दिया है।

सबसे बड़ा विरोधाभास हमारे नारों में छिपा है। एक ओर स्वच्छ भारत, प्लास्टिक नियंत्रण और आत्मनिर्भरता की घोषणाएं हैं; दूसरी ओर बंदरगाहों पर विदेशी कचरे के कंटेनर खुलते हैं। आत्मनिर्भर भारत का अर्थ उत्पादन में आत्मनिर्भर होना है, तो क्या कचरे में आत्मनिर्भर होने का गौरव नहीं? हम अपना कचरा नहीं संभाल पा रहे और दूसरों का कचरा संभालने को बंदरगाह खोल रहे हैं। मिट्टी, पानी और खाद्य श्रृंखला में घुलते विष आज न दिखें, पर आने वाली पीढ़ियां उनकी कीमत स्वास्थ्य, बीमारी और घटती जीवन-गुणवत्ता से चुकाएंगी। ऐसी विकास-रफ्तार किस काम की, जिसके पीछे जहरीला पदचिह्न छूटे?समाज की चुप्पी इस कारोबार की सबसे बड़ी ताकत है। यह मामला उतनी बड़ी सार्वजनिक बहस नहीं बन पाया, जितनी बननी चाहिए थी। पर्यावरण सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा से अलग देखना अब पुरानी सोच है। जैसे सीमा पार हथियारों की तस्करी खतरा है, वैसे ही जहरीला कचरा भी। फर्क इतना–हथियार एक दिन में मारते हैं, कचरा वर्षों में। उद्योगपति मुनाफा गिनता है, अधिकारी कागज, नागरिक अस्पताल की पर्ची। इस त्रिकोण को तोड़े बिना कोई स्वच्छता अभियान सफल नहीं होगा। अदालत की चेतावनी को महज न्यायिक टिप्पणी समझना भूल होगी; यह उस सार्वजनिक विवेक को जगाने का प्रयास है, जो धीरे-धीरे सुविधा का आदी हो गया है।

रास्ता कठिन है, अस्पष्ट नहीं। संदिग्ध या गलत घोषित कचरे पर कठोर दंड हो, बंदरगाहों पर वैज्ञानिक और स्वतंत्र जांच हो, आयात नियमों की आड़ में छिपे रास्ते बंद हों और पुनर्चक्रण उद्योग को विदेशी कचरे पर निर्भर बनाने के बजाय देश में पैदा कचरे के वैज्ञानिक उपयोग की ओर मोड़ा जाए। पूर्ण प्रतिबंध पर विचार करना होगा, खासकर उन कचरा श्रेणियों पर जिनका घरेलू प्रबंधन संकट में है। सर्कुलर इकोनॉमी का अर्थ दुनिया भर का कचरा भारत में घुमाना नहीं; संसाधनों का बार-बार उपयोग और अपशिष्ट न्यूनतम करना है। 2047 का विकसित भारत कचरे के आयात से विकसित नहीं होगा। वह तब विकसित कहलाएगा, जब बंदरगाह माल के लिए खुलें, कचरे के लिए नहीं।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

तेहरान ने पहली बार सुनाई मोजतबा खामेनेई की आवाज, फुटेज के समय पर संदेह जताया

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा अली खामेनेई के स्वास्थ्य और अस्तित्व को लेकर जारी अटकलों के बीच, ईरान ने एक नया वीडियो जारी किया है। यह फुटेज पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आया है, जिसमें 56 वर्षीय मोजतबा की आवाज स्पष्ट रूप से सुनी जा सकती है। जारी किए गए इस दुर्लभ वीडियो में, मोजतबा खामेनेई एक धार्मिक शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता करते नजर आ रहे हैं। वे एक छात्र को उसकी थीसिस प्रस्तुत करते हुए सुनते हैं और बाद में उसके काम पर अपनी राय भी देते हैं। उनकी आवाज साफ तौर पर सुनाई दे रही है, जहां वे छात्रों को ईरानी शासन के इस्लामिक सुरक्षा मॉडल के बारे में समझाते दिख रहे हैं। वीडियो में मोजतबा काफी सामान्य तरीके से चर्चा में हिस्सा लेते दिखाई देते हैं। यह वीडियो ऐसे समय में जारी किया गया है, जब मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर कई तरह की अटकलें चल रही हैं। रिपोर्टों के अनुसार, वे 28 फरवरी को हुए एक संयुक्त अभियान में गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसमें उनके पिता और पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मृत्यु की भी खबरें थीं। हालांकि ईरान का कहना है कि वे घायल हैं लेकिन जीवित हैं, जबकि अन्य देश हमेशा से इसके सबूत मांगते रहे हैं। लोगों का ध्यान इस फुटेज पर गया है, क्योंकि यह उनकी मौजूदा स्थिति को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच आया है। इस वीडियो की सबसे महत्वपूर्ण बात अभी भी स्पष्ट नहीं है। हालांकि यह फुटेज एक सरकारी स्रोत द्वारा साझा किया गया है, लेकिन यह नहीं बताया गया है कि इसे कब रिकॉर्ड किया गया था। इस कारण यह तय करना मुश्किल है कि यह वीडियो मोजतबा की मौजूदा स्थिति को दर्शाता है या यह किसी पुराने समय का रिकॉर्ड है। मोजतबा खामेनेई को लेकर पहले भी उनकी भूमिका और ईरान के सत्ता तंत्र में उनके प्रभाव को लेकर चर्चा होती रही है। ऐसे में लंबे समय बाद सामने आया यह वीडियो उनके समर्थकों और वैश्विक परिदृश्य में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, भले ही इसकी प्रामाणिकता और समय को लेकर संदेह बरकरार है।

ट्रंप ने मुनीर को बनाया अपना दूत, शांति वार्ता फिर शुरू करने पहुंचाया ईरान

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी हैं। इससे पहले उन्होंने पाकिस्तान सेना के प्रमुख आसिम मुनीर को ईरान भेजा है। ट्रंप का दूत बनकर गए मुनीर ईरान को ये संदेश देने के लिए गए हैं कि ईरान शांति वार्ता को फिर से शुरू कर ले। साथ ही होर्मुज पर चल रहे तनाव को खत्म करने की ओर बढ़े, लेकिन दूसरी तरफ लाल सागर तट के पास सऊदी अरब के एक तेल टैंकर पर हमला हुआ है। हमले के बाद जहाज के मुख्य डेक पर आग लग गई। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है।

मीडिया रिपोर्ट में दावा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले फ्ते पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर से फोन पर बात की थी। पाकिस्तान के तीन सूत्रों के मुताबिक, ट्रंप ने मुनीर को फोन कर कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच रुकी हुई बातचीत फिर शुरु की जाए। एक सूत्र ने बताया कि अमेरिका चाहता है कि पाकिस्तान अपने ईरान के साथ प्रभाव का इस्तेमाल करे। वे ईरान को फिर से बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश करे। वहीं इसी बीच ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा कंपनी ने बताया कि जिस जहाज को निशाना बनाया गया वह सऊदी झंडे वाला टैंकर था। कंपनी ने दावा किया कि जहाज पर मिसाइल से हमला किया गया, जिसके बाद उसमें आग लग गई. हालांकि, ब्रिटिश समुद्री एजेंसी ने फिलहाल इसे सिर्फ प्रोजेक्टाइल बताया है। यानी हमले के पीछे कौन था, इसकी पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। अभी तक हूती विद्रोहियों ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन घटना ऐसे समय हुई है जब हूती और सऊदी अरब के बीच तनाव तेजी से बढ़ा है। हूती समूह पिछले कुछ हफ्तों में सऊदी अरब के ठिकानों को निशाना बनाने की धमकियां देता रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में लगातार दूसरे दिन तेज बारिश, गुरुग्राम में वर्क-फ्रॉम-होम

भोपाल, लखनऊ। दिल्ली-NCR में मंगलवार सुबह लगातार दूसरे दिन तेज बारिश हुई है। एम्स फ्लाईओवर, कनॉट प्लेस, ITO और आरके पुरम समेत कई इलाकों में 3-4 फीट तक पानी भर गया। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। दिल्ली-गुरुग्राम को जोड़ने वाले NH-48 पर महिपालपुर के पास ट्रैफिक जाम लगा। दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की। सोमवार को करीब 390 फ्लाइट्स लेट हुईं, 15 डायवर्ट और 26 कैंसिल की गईं। गुरुग्राम में कई जगह 3 फीट तक पानी भरने के बाद मंगलवार को सरकारी दफ्तरों और स्कूलों में वर्क फ्रॉम होम लागू किया गया। सोमवार को कई स्कूल बसें 3-6 घंटों तक पानी में फंसी रहीं। यूपी के अयोध्या समेत 15 शहरों में बारिश हो रही है। वाराणसी में सोमवार रात 8 बजे से बारिश जारी है और स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बारिश से जुड़ी घटनाओं में 4 लोगों की मौत हुई। मथुरा में सड़कें और रिहायशी इलाके जलमग्न हैं। मध्य प्रदेश के भोपाल समेत कई जिलों में भी तेज बारिश हुई। विदिशा के बाजार में पानी भर गया और भोपाल में ट्रैफिक प्रभावित हुआ। प्रदेश में अब तक 28.75 इंच बारिश हुई है। मौसम विभाग ने 27 अगस्त तक एमपी, यूपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, उत्तराखंड और केरल समेत 15 राज्यों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

'आईफोन के लिए खुदकुशी की बात अफवाह', महाराष्ट्र खाई हादसे पर परिवार बोला- वो चाहता था परिवार साथ रहे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में खाई में गिरने से पिता, मां और बेटे की मौत के मामले में नया खुलासा हुआ है। शुरुआती रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि बेटे कुणाल ने आईफोन की EMI को लेकर तनाव में जान दी थी। अब उसके परिवार ने इस दावे को खारिज किया है। कुणाल की मौसी पल्लवी ने कहा कि घटना का मोबाइल फोन से कोई संबंध नहीं था और लोगों को अफवाहें नहीं फैलानी चाहिए। इंडिया टुडे ने परिवार के हवाले से बताया कि कुणाल चाहता था कि उसके पैरेंट्स साथ रहें। हालांकि, उनके बीच तलाक हुआ था या नहीं, यह जानकारी सामने नहीं आई। उधर, DCP पंकज अतुलकर ने बताया कि परिवार में पिछले दो-तीन महीने से विवाद चल रहा था, जिसके कारण तनाव की स्थिति बनी हुई थी। संगीता के मायके वालों के मुताबिकः मुरलीधर और संगीता के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसमें संपत्ति से जुड़े विवाद भी शामिल थे। कुणाल चाहता था कि दोनों के बीच मतभेद खत्म हों। पिता के परिवार ने बताई अलग कहानीः मुरलीधर की बहन शोभा राजेंद्र मस्के ने दंपती के रिश्ते को लेकर अलग जानकारी दी। उनके मुताबिक, मुरलीधर और संगीता ने 22 साल पहले लव मैरिज की थी। मुरलीधर के माता-पिता इस शादी के खिलाफ थे और शादी में शामिल भी नहीं हुए थे। संगीता को ससुराल वालों ने कभी एक्सेप्ट नहीं किया।

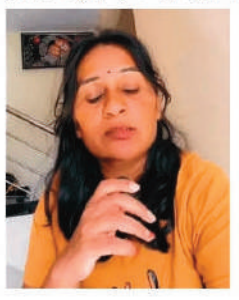

भोजशाला विवाद को लेकर धार बंद, बाजारों में सन्नाटा

एजेंसी, भोपाल/धार

मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला मामले को लेकर हिंदू संगठन के आह्वान पर मंगलवार को आधे दिन के लिए धार जिला बंद रखा गया। हिंदू संगठनों के सदस्य सुबह से ही सड़कों पर उतरे और दुकानदारों से व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखने की अपील की। बंद के दौरान आवश्यक सेवाओं को मुक्त रखा गया, वहीं किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया।

धार जिले में ऐतिहासिक भोजशाला विवाद को लेकर हिंदू संगठन के आह्वान पर मंगलवार को आधे दिन के बंद के दौरान सुबह से ही धार शहर के प्रमुख बाजारों और व्यापारिक क्षेत्रों में दुकानें पूरी तरह बंद रहीं। इससे रोजमर्रा की तुलना में सन्नाटा पसरा नजर आया। हिंदू संगठनों से जुड़े सदस्य शहर के विभिन्न बाजारों और

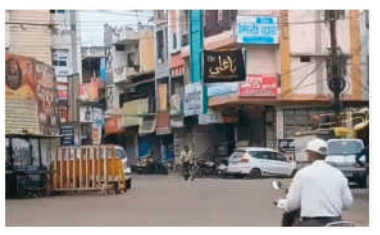

व्यावसायिक क्षेत्रों में पहुंचे। उन्होंने दुकानदारों से हाथ जोड़कर अपने प्रतिष्ठान बंद रखने और विरोध प्रदर्शन में सहयोग करने का अनुरोध किया। बंद का प्रभाव शहर के मुख्य बाजारों में स्पष्ट दिखाई दिया। हालांकि आमजन की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए स्कूल, कॉलेज, पेट्रोल पंप, मेडिकल स्टोर और अन्य अति-आवश्यक सेवाओं को बंद से बाहर रखा गया था। हिंदू संगठनों का आरोप है कि भोजशाला मामले में न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद स्थानीय प्रशासन द्वारा आदेशों का सही ढंग से पालन नहीं कराया जा रहा है। विरोध की मुख्य वजह भोजशाला के पास प्रत्येक शुक्रवार को होने वाली जुमे की नमाज की व्यवस्था है। हिंदू संगठन इस व्यवस्था को तत्काल समाप्त करने की मांग कर रहे हैं।

उच्चतम न्यायालय के अंतरिम आदेशों के तहत स्थानीय प्रशासन ने भोजशाला के पीछे स्थित खसरा नंबर 612 की भूमि पर शुक्रवार को मुस्लिम समाज के लिए नमाज अदा करने की व्यवस्था सुनिश्चित की है, जिस पर हिंदू समाज कड़ा ऐतराज जता रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था कड़ीः जिला बंद और विरोध प्रदर्शन की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस व प्रशासनिक अमला पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। शहर के मुख्य चौराहों, बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। प्रशासनिक अधिकारी लगातार गश्त कर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं ताकि शांति व कानून व्यवस्था बनी रहे।

मध्य प्रदेश के सीहोर में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

11 किमी लंबी कांवड़ यात्रा में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

एजेंसी, सीहोर

सावन के पवित्र महीने में मंगलवार को मध्य प्रदेश के सीहोर में आस्था का बड़ा जनसैलाब उमड़ा। सीवन नदी के तट से कुबेरेश्वरधाम तक करीब 11 किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा सुबह 9 बजे शुरू हुई। यात्रा में मध्य प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश समेत देश के कई राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बारिश के बीच भगवा वस्त्रों में सजे कांवड़िए हर-हर महादेव और भगवान कुबेरेश्वर महादेव के जयकारों के साथ धाम की ओर बढ़े।

सोमवार से ही श्रद्धालुओं के सीहोर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे से सीवन नदी तट और आसपास के इलाकों में कांवड़ियों की भीड़ जुटने लगी। यात्रा शुरू होने के बाद सीवन नदी से लेकर कुबेरेश्वरधाम तक पूरा मार्ग श्रद्धालुओं से भरा नजर आया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सीवन नदी के घाट पर एंट्री रोक दी है। सुरक्षा कारणों से कांवड़ियों को नदी में उतरने की अनुमति नहीं दी जा रही। इसके लिए पुल पर नलों के माध्यम से कांवड़ में जल भरने की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु यहीं से जल लेकर कुबेरेश्वरधाम के लिए रवाना हो रहे हैं। कांवड़िए कुबेरेश्वरधाम पहुंचकर सीवन नदी के जल से भगवान कुबेरेश्वर महादेव का अभिषेक करेंगे।

कांवड़ यात्रा के दौरान कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा भी सीवन नदी पहुंचे। उन्होंने कांवड़ में जल भरा और श्रद्धालुओं के साथ पैदल यात्रा में शामिल हुए।

राहुल-खड़गे की मोदी को चिट्ठी- जाति जनगणना के सवाल बदलें

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने जाति जनगणना में जातियों के नाम दर्ज करने और डेटा जुटाने के तरीके का विरोध किया है। उन्होंने पीएम मोदी को लेटर लिखकर जनगणना में पूछे जाने वाले सवाल बदलने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इसे बनाने से पहले राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और जनता से सलाह ली जानी चाहिए।

जनगणना के सवालों में पिछड़ा वर्ग शब्द नहीं होने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इससे देश में ओबीसी आबादी का सही आंकड़ा सामने आने में परेशानी हो सकती है। तेलंगाना और बिहार जैसी प्रक्रिया अपनाने की मांग की है।

जाति का नाम पूछने के लिए सवाल रखने से एक ही जाति अलग-अलग नामों या उपजातियों के नाम से दर्ज हो सकती है। इससे जातियों की सही संख्या पता करना और आंकड़ों की तुलना करना मुश्किल होगा। अगर एक ही जाति कई नामों से दर्ज हुई तो उसकी आबादी का आंकड़ा गलत हो सकता है। इसका असर पिछड़े, अति पिछड़े और अन्य वंचित समुदायों के लिए बनाई जाने वाली योजनाओं पर पड़ेगा। जातियों की पहचान और संख्या दर्ज करने की प्रक्रिया एक जैसी होनी चाहिए, ताकि देश में सामाजिक-आर्थिक स्थिति का सही आंकड़ा मिल सके। जातियों के नाम दर्ज करने के लिए तय सूची या ड्रॉप-डाउन विकल्प देने की मांग की है। इसमें सरकारी जाति सूचियों और भारतीय मानवशास्त्र सर्वेक्षण के आधार पर नाम शामिल किए जा सकते हैं। तेलंगाना और बिहार के जाति सर्वेक्षणों में भी ऐसी सूचियों का इस्तेमाल किया गया था।

पूर्व सीडीएस अनिल चौहान बोले- युद्ध और राजनीति अलग नहीं, सरकार को ऑप्शन देना सेना की जिम्मेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सेना, राजनीतिक इच्छा का सीधा विस्तार है। किसी देश के राजनीतिक हित सबसे ऊपर होते हैं और सेना उन हितों की रक्षा करने वाले कई माध्यमों में से एक हैं। पूर्व CDS ने कहा- "शुरुआत इस बात से करते हैं कि राजनीति और युद्ध अलग नहीं हैं। क्लॉजविट्ज ने कहा था कि युद्ध दूसरे माध्यमों से राजनीति को आगे बढ़ाना है।"

पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को नई दिल्ली में ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद के हालात पर चर्चा की। यह आयोजन विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन ने रखा था। इस दौरान पूर्व CDS ने राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक शासन के रिश्ते पर बात की।

चौहान बोले- युद्ध और राजनीति अलग नहींः जनरल

चौहान ने प्रूशियाई जनरल कार्ल वॉन क्लॉजविट्ज की प्रसिद्ध बात का जिक्र किया कि युद्ध दूसरे माध्यमों से राजनीति को आगे बढ़ाने का तरीका है। उन्होंने कहा, "किसी देश के राजनीतिक हित सबसे ऊपर होते हैं और सशस्त्र बल उनकी रक्षा के लिए काम करने वाले माध्यमों में से सिर्फ एक हैं। ऐसे कई माध्यम होते हैं।" प्रूशियाई जनरल कार्ल वॉन क्लॉजविट्ज की किताब 'ऑन वॉर' (वॉम क्रिगे) आधुनिक पश्चिमी सैन्य सिद्धांत की आधारशिला मानी जाती है। यह किताब उनकी मौत के बाद 1832 में उनकी पत्नी मैरी वॉन ब्रुहल ने प्रकाशित की थी। क्लॉजविट्ज ने नेपोलियन के खिलाफ अभियान में हिस्सा लिया था।

ऑपरेशन सिंदूर विदेशों में भी चर्चा का विषय

सरकार को सैन्य विकल्प देना सेना की जिम्मेदारीः जनरल चौहान ने कहा कि लोकतंत्र में जब सरकार अपने राजनीतिक उद्देश्यों को हासिल करने के लिए बल प्रयोग का फैसला करती है, तब सेना की जिम्मेदारी दो तरह की होती है। पूर्व सीडीएस ने कहा कि सरकार जितने सैन्य विकल्प चाहती है, उन्हें तैयार करने के लिए शांतिकाल में उतना ही पैसा रक्षा क्षमताओं को विकसित करने पर खर्च करना होगा। सैन्य नेतृत्व को सरकार को ऐसे विकल्प देने होते हैं, जिन्हें खास रणनीतिक उद्देश्यों को हासिल करने के लिए इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहा, "राजनीतिक लोकतंत्र में जब भी सरकार अपने राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए बल प्रयोग का फैसला करती है, तब रक्षा बलों या सेना की भूमिका दो तरह की होती है।"

ट्रेनिंग और युद्धाभ्यास से बढ़ते हैं विकल्पः जनरल चौहान ने कहा कि सैन्य विकल्पों की संख्या और उनकी गुणवत्ता अचानक तैयार नहीं होती। इसके लिए शांतिकाल में लगातार तैयारी करनी पड़ती है। इसमें कड़ी ट्रेनिंग, युद्धाभ्यास और अलग-अलग संभावित हालात की योजना बनाना शामिल है। उन्होंने कहा, "विकल्प इस बात पर भी निर्भर करते हैं कि सैन्य नेतृत्व ने किस तरह की ट्रेनिंग दी है, किस तरह के युद्धाभ्यास किए हैं और किन संभावित हालात पर काम किया है। इससे हमारे पास उपलब्ध विकल्पों की संख्या बढ़ती है।"उन्होंने यह भी कहा कि हर सैन्य विकल्प में किसी न किसी तरह का जोखिम होता है। कमांडरों और नेताओं को इस जोखिम और हासिल किए जाने वाले राजनीतिक नतीजे के बीच संतुलन बनाना पड़ता है।

यूपीआई की 10वीं वर्षगांठ पर वैष्णव का चिदंबरम पर कटाक्ष, '10 साल उन्हें गलत साबित करने के नाम'

एजेंसी, नई दिल्ली

यूपीआई के दस साल पूरे होने पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के पुराने संसदीय बयान को लेकर उन पर राजनीतिक कटाक्ष किया है। वैष्णव ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर चिदंबरम के संसद में दिए पुराने भाषण का वीडियो साझा करते हुए लिखा, "10 साल उन्हें गलत साबित करने के नाम।"

वैष्णव द्वारा साझा किए गए वीडियो में चिदंबरम संसद में यूपीआई और डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लेकर अपनी आपत्तियां और आशंकाएं व्यक्त करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में उनके पुराने बयान के साथ मौजूदा समय में सब्जी विक्रेताओं और छोटे कारोबारियों द्वारा क्यूआर कोड के जरिए भुगतान स्वीकार करने के दृश्य भी दिखाए गए हैं।

भाजपा ने भी यूपीआई की दस साल की सफलता को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि चिदंबरम ने यूपीआई की शुरुआत को बड़ी भूल बताया था और संसद में यह आशंका जताई थी कि गरीबों, सब्जी विक्रेताओं तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए इस डिजिटल भुगतान प्रणाली का इस्तेमाल करना मुश्किल होगा।

भाजपा के मुताबिक, चिदंबरम का यह

आकलन अब यूपीआई के मौजूदा विस्तार के बिल्कुल विपरीत नजर आता है। पार्टी ने कहा कि आज छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों और आम लोगों के बीच क्यूआर कोड आधारित भुगतान बेहद सामान्य हो चुका है।

यूपीआई की दस साल की यात्रा के आधिकारिक आंकड़े भी इसकी व्यापक स्वीकार्यता को दर्शाते हैं। 2016-17 में 1.78 करोड़ लेन-देन से बढ़कर 2025-26 में यूपीआई लेन-देन की संख्या 24,162 करोड़ हो गई। इसी अवधि में लेन-देन का मूल्य 0.07 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 314 लाख करोड़ रुपये हो गया। मार्च 2026 में यूपीआई ने एक महीने में 2,264 करोड़ लेन-देन का नया रिकॉर्ड बनाया, जिनका मूल्य 29.53 लाख करोड़ रुपये रहा।

यूपीआई की शुरुआत केवल 21 बैंकों के साथ हुई थी लेकिन अब इसके नेटवर्क में 700 से अधिक बैंक शामिल हैं। यूपीआई भारत के डिजिटल भुगतान का करीब 85 प्रतिशत हिस्सा संभाल रहा है और दुनिया के रियल-टाइम भुगतान लेन-देन में भारत की हिस्सेदारी करीब 49 प्रतिशत है।

यूपीआई की पहुंच का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि व्यक्ति से व्यापारी लेन-देन में 86 प्रतिशत भुगतान 500 रुपये से कम के हैं। इससे पता चलता है कि यूपीआई का इस्तेमाल छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों और रोजमर्रा की खरीदारी में बड़े पैमाने पर हो रहा है। यूपीआई अब भारत की सीमाओं से बाहर भी पहुंच बना चुका है और आठ देशों में स्वीकार किया जा रहा है।

जैन पांडुलिपियां भारत की प्राचीन ज्ञान-परंपरा और संस्कृति का उत्कृष्ट उदाहरण : अरुण कुमार

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि जैन पांडुलिपियां और प्राकृत भाषा में लिखा गया जैन साहित्य भारत की सभ्यता, संस्कृति और प्राचीन ज्ञान प्रणाली का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी दुर्लभ ज्ञान संपदा का संरक्षण आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भारत की समृद्ध ज्ञान-विरासत से परिचित हो सकें।

अरुण कुमार ने यह बात यहां जैन भवन में शहजाद राय शोध संस्थान, बड़ौत द्वारा आयोजित 'विरासत' जैन पांडुलिपि एवं साहित्य प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर कही। प्रदर्शनी में संस्थान में संरक्षित प्राचीन जैन पांडुलिपियों और दुर्लभ जैन साहित्य को प्रदर्शित किया गया है।

उन्होंने कहा कि शहजाद राय शोध संस्थान द्वारा संरक्षित पांडुलिपि संपदा अत्यंत दुर्लभ और प्रेरणादायी है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. अमित राय जैन के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि जैन साहित्य केवल धार्मिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि इसमें भारत के दर्शन, भाषा, कला, इतिहास और प्राचीन ज्ञान-परंपरा से संबंधित महत्वपूर्ण सामग्री भी उपलब्ध है। प्राकृत भाषा में संरक्षित साहित्य भारतीय सभ्यता के विभिन्न पहलुओं को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल जैन ने की। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री सुरेंद्र जैन, जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र के निदेशक आशुतोष भटनागर, आरएसएस केंद्रीय टोली के सदस्य मुकुल कानिटकर, ऑर्गनाइज़र वीकली के मुख्य संपादक प्रफुल्ल केतकर सहित जैन समाज के अनेक विद्वान, बुद्धिजीवी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गुरमीत राम रहीम को मिली 21 दिन की फरलो, 17वीं बार जेल से आया बाहर

एजेंसी, रोहतक

यौन शोषण और हत्या मामले में सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम एक बार फिर सुनारिया जेल से बाहर आ गया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक राम रहीम को 21 दिन की फरलो मंजूर की गई है, जिसके बाद मंगलवार सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उसे जेल से बाहर निकाला गया और वह सिरसा के लिए रवाना हो गया। गुरमीत राम रहीम 17वीं बार रोहतक की सुनारिया जेल से पैरोल या फरलो पर बाहर आया है।

गुरमीत राम रहीम को अगस्त 2017 में साध्वियों के यौन शोषण मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद सुनारिया जेल भेजा गया था। इसके अलावा पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में भी उसे सजा हो चुकी है।

इस साल दो बार मिल चुकी है पैरोलः वर्ष 2026 में राम रहीम को इससे पहले दो बार जेल से बाहर आने का अवसर मिला। जनवरी महीने में उसे 40 दिन की पैरोल, जबकि मई महीने में 30 दिन की पैरोल मिली थी। मई में मिली 30 दिन की पैरोल पूरी करने के बाद गुरमीत राम रहीम 26 जून को वापस सुनारिया जेल पहुंचा था। अब एक बार फिर 21 दिन की फरलो मिलने के बाद राम रहीम जेल से बाहर आया है। उसके बाहर आने के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई और पुलिस की निगरानी में उसे सिरसा के लिए रवाना किया गया। राम रहीम के 17वीं बार जेल से बाहर आने के बाद एक बार फिर उसकी पैरोल और फरलो को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

रिजिजू बोले- राहुल के निशाने पर सिर्फ हिंदू क्यों, अल्पसंख्यक महिलाओं की बात क्यों नहीं करते

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पितृसत्ता खत्म करने' बयान पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस पार्टी हिंदू परंपराओं को ही निशाना क्यों बनाती है। अल्पसंख्यक महिलाओं की स्थिति पर चुप क्यों रहती है। राहुल अल्पसंख्यक महिलाओं की बात क्यों नहीं करते। वे समाज को न बांटें और बेटियों को कम न आंकें। राहुल ने शनिवार को पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में महिलाओं की आजादी और पितृसत्ता के मुद्दे पर एक घंटा 16 मिनट बात की थी। मनुस्मृति का जिक्र करते हुए महिलाओं को पिता, पति और बच्चों की संपत्ति मानने वाली सोच को शर्मनाक बताया।

भाजपा ने कहा- राहुल झारखंड क्यों नहीं जाते, राउत बोले- भाजपा डर गई हैः भाजपा नेता रोहन गुप्ता ने कहा, 'ऐसी गूंज है जो कांग्रेस के नेताओं को भी सुनाई नहीं देती, ये ऐसी गूंज है जो झारखंड की सरकार को भी सुनाई नहीं देती। सबको मालूम है कि यह सिर्फ दिखावा है। अगर दिखावा नहीं होता, तो राहुल गांधी जी पहले झारखंड जाते, वहां पर छात्रों के साथ बैठते,

उनकी गूंज सुनते और कुछ करके दिखाते।' सांसद संजय राउत ने कहा, 'मैंने राहुल को कभी किसी एक धर्म के बारे में बात करते नहीं देखा और खासकर हिंदू धर्म के खिलाफ बोलते हुए तो बिल्कुल नहीं। ये लोग राहुल से डरे हुए हैं। वे इतने डरे हुए हैं कि उन्हें खुद नहीं पता कि वे क्या कह रहे हैं।'

राहुल ने कहा, 'महिला की पहचान उसके पिता, पति या बेटे से नहीं होती, बल्कि उसकी अपनी पहचान होती है।' मनुस्मृति का जिक्र करते हुए महिलाओं को पिता, पति और बच्चों की संपत्ति मानने वाली सोच को शर्मनाक बताया। राहुल ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ 3 तरह से हिंसा होती है। पहली- पैदा होते ही हत्या, दूसरी- शारीरिक अत्याचार, तीसरी- आर्थिक बंदिशें। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, नौकरी, संपत्ति और अपने फैसले लेने की पूरी आजादी मिलनी चाहिए।

25-08-2026 T.P. Page 8_Layout 1 26-08-2026 07:59 Page 1

समुद्र के नीचे मिली दूसरी दुनिया, कभी यहीं दफनाए जाते थे लोग

समंदर में डाइविंग करते वक्त अगर आपको कोई खतरनाक या दुर्लभ समुद्री जीव मिल जाए, तो हैरानी होती है लेकिन अगर यहां कोई दूसरी दुनिया दिख जाए, तो होश उड़ जाएंगे. कुछ ऐसा ही हुआ एक पुरातत्व वैज्ञानिक के साथ.

कुछ जगहें होती हैं, जहां जाने के बाद हमें उम्मीद होती है कि मिलेगा कुछ और लेकिन मिल कुछ अलग ही जाता है. फिर चाहे ये घर का कोई कोना हो या फिर समंदर के अंदर की गहराई हो. समुद्र में जाने वाले गोताखोरों को कभी कुछ अलग ही हाथ लग जाता है लेकिन इस बात की उम्मीद तो किसी को भी नहीं होती है कि उन्हें यहां एक दूसरी दुनिया का रास्ता दिख जाएगा. समंदर में डाइविंग करते वक्त अगर आपको कोई खतरनाक या दुर्लभ समुद्री जीव मिल जाए, तो हैरानी होती है लेकिन अगर यहां कोई दूसरी दुनिया दिख जाए, तो होश उड़ जाएंगे. कुछ ऐसा ही हुआ एक पुरातत्व वैज्ञानिक के साथ. डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के फ्लोरिडा में मौजूद लेक ओकीचोबी में एक अलग ही दुनिया की खोज हुई.

समंदर के नीचे कब्रों की दुनिया!

मई, 2023 में Dry Tortugas National Park की ओर से घोषणा की गई थी कि गार्डेन की के पास मौजूद आइलैंड में एक अस्पताल और कब्रिस्तान मिला था. उस वक्त वैज्ञानिकों ने बताया था कि ये ऐतिहासिक कब्रगाह है, जहां दर्जनों लोग दफनाए गए होंगे. अब आर्कियोलॉजिस्ट जोश मरानो ने कहा है कि ये कब्रिस्तान सिर्फ ज़मीन के ऊपर ही नहीं बल्कि पानी के अंदर गहराई में भी मौजूद है. झील की गहराई में बहुत सी ऐसी कहानियां और रहस्य हर साल मिलते हैं, जो इस जगह को और भी रहस्यमयी और खौफनाक बना देते हैं. चूंकि यहां पर कब्रें हैं, ऐसे में इसे भूतिया भी माना जाता है.

आखिर किसकी हैं ये कब्रें

पुरातत्व एक्सपर्ट्स ने कहा है कि ये कब्रें कुख्यात कैदियों की हो सकती हैं, जिनकी कहानियां जानने के लिए कोशिश की जा रही है. जोश मरानो का कहना है कि ये कब्रें अमेरिकन सिपाहियों की भी हो सकती हैं, जो फोर्ट जेफरसन में तैनात रहे हों. वहीं अस्पताल में 1890-1900 के बीच यलो फीवर के मरीज़ों का ट्रीटमेंट होता था. ये वही जगह है, जिसे अमेरिकन सिविल वॉर के वक्त कैदियों को रखने के लिए इस्तेमाल किया गया था. ऐसे में ये जगह उनके टॉर्चर और दर्दनाक मौत की भी कहानियां समेटे हुए है.

एक रहस्य बना साधारण सा दिखता है ये पुल

सुंदर और छोटा सा यह पुल देखने में बहुत ही अनोखा नहीं है. लेकिन फिर भी यह दुनिया के सबसे अजीब पुलों में से एक है. सबसे अजीब बात ये है कि यहां कुत्ते भी आकर आत्महत्या करते रहे हैं. ऐसा क्यों होता है यह आज तक रहस्य बना हुआ है.

आपने दुनिया के खतरनाक पुलों के बारे में सुना होगा लेकिन एक पुल किसी कोने से खतरनाक नहीं दिखता है. साधारण सा होने के बाद भी यह अपने आप में कम आकर्षक नहीं है. फिर भी स्कॉटलैंड रका ओवरटाउन ब्रिज, एक अजीब सी वजह के लिए मशहूर है. यहां कुत्ते आत्महत्या करते रहे हैं. हैरानी की बात यह है कि इसका सटीक कारण पता नहीं है. ओवरटाउन ब्रिज 1895 में बना था. 15 मीटर का गोथिक स्टाइल का यह पुल खुरदर एशलर के पत्थरों से बना है. इसमें तीन मेहराब हैं जो एक खड़ी घाटी को दो किनारों को जोड़ते हैं. एक बीच का मेहराब बड़ा है जिसके दोनों ओर दो निचले और छोटे मेहराब हैं. प्राकृतिक पेड़ पौधों के बीच यह बीच खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है. लेकिन इसकी चर्चा कुत्तों की वजह से अधिक होती है.

1859 में, ओवरटाउन फार्म को स्कॉटिश उद्योगपति जेम्स व्हाइट ने खरीदा. 1884 में व्हाइट की मौत के बाद उनके बेटे, जॉन कैंपबेल व्हाइट को घर और उसकी संपत्ति विरासत में मिली और उन्होंने घर के ड्राइववे को एक गहरी खाई में विस्तारित करने की योजना पर काम शुरू कर दिया ताकि आसान पहुंच मिल सके. उन्होंने एक पुल का डिजाइन बनाने के लिए लैंडस्केप आर्किटेक्ट और सिविल इंजीनियर हेनरी मिलनर को काम पर रखा.

इस पुल के निर्माण के बाद से अब तक 600 से ज्यादा आत्महत्याओं का इतिहास रहा है. इससे भी ज्यादा डरावना यह है कि पिछले कई दशकों में 50 से ज्यादा कुत्ते इस पुल से कूदकर अपनी जान दे चुके हैं, जिससे जानवरों की आत्महत्या की संभावना पर सवाल उठते हैं.

इस बात का कोई सबूत नहीं मिले है कि पुल पर किसी अलौकिक शक्ति का वास या किसी भूत प्रेत का साया है, लेकिन ओवरटाउन की श्वेत महिला की किंवदंती अभी भी कायम है. लेकिन कुत्तों की आत्महत्या के पीछे एक कारण यह बताया जाता है कि पुल के आसपास के क्षेत्र में रहने वाले मिंक की गंध कुत्तों को कूदने के लिए आकर्षित करती है. लेकिन कुत्तों के यूं मरने का एक ही कारण नहीं बताया जाता है. एक अन्य सिद्धांत यह सुझाव देता है कि कुत्ते किसी तरह की अदृश्य उपस्थिति से डर जाते हैं. यह कोई ऐसी ध्वनि या कंपन है जिसे इंसान नहीं समझ सकते. वहीं कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि पुल की रेलिंग के कारण कुत्ते अपनी छलांग का गलत अनुमान लगा लेते हैं, जिससे उनकी मौत हो जाती है. कई वैज्ञानिक अध्ययनों और जांचों के बावजूद, ओवरटाउन ब्रिज पर कुत्तों की आत्महत्या का कारण आज भी एक रहस्य बना हुआ है.

दुनिया का सबसे संकरा शहर है यांजिन

क्या आपने किसी ऐसे शहर के बारे में सुना है, जिसे सबसे संकरा माना जाता है? वो शहर न सिर्फ नदी के दोनों किनारों पर बसा है, बल्कि पहाड़ों के बीचों-बीच है. वहां से बाहर निकलने का सिर्फ एक रास्ता है. देखने में ये जितना खूबसूरत लगेगा, उतना ही ज्यादा डरावना भी लग सकता है.

अगर आपसे पूछा जाए कि क्या आप किसी ऐसे शहर के बारे में जानते हैं, जिसे दुनिया में सबसे संकरा माना जाता हो? यकीनन, ज्यादातर लोगों को इसके बारे में पता नहीं होगा. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे ही शहर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां जाने वालों का कलेजा कांप उठेगा. हर पल कंपकंपी होगी. ऐसा इसलिए क्योंकि यह शहर पहाड़ों के बीचों-बीच बहने वाली एक नदी के दोनों किनारों पर बसा हुआ है. इस वजह से इसे सबसे संकरा शहर का दर्जा भी मिला है. लेकिन ये शहर भी कोई छोटा-मोटा नहीं है, बल्कि यहां 5 लाख से ज्यादा की आबादी रहती है. इस शहर का नाम यांजिन है, जो पहाड़ों के बीच बहने वाली नांक्सी नदी के दोनों मुहानों पर बसा है. यांजिन सिटी, चीन का एक प्रमुख शहर है. चीन के युनान प्रांत में बसे इस शहर को दुनिया का सबसे संकरा शहर माना गया है. पहली बार में इस शहर को देखने पर यकीन करना भी मुश्किल हो जाता है कि वाकई में कोई ऐसा शहर इस धरती पर मौजूद है. हालांकि, पहाड़ों से इस शहर की खूबसूरती देखना वाकई में अद्भुत है. ये किसी फिल्म या डॉक्यूमेंट्री का हिस्सा लगेगा. लेकिन आपको बता दें कि देखने में भले ही ये बेहद खूबसूरत लगे, लेकिन ऐसी परिस्थिति में रहना आसान नहीं है.

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि शहर का सबसे संकरा इलाका 30 मीटर, जबकि सबसे फैला हुआ इलाका 300 मीटर चौड़ा है. नदी के दोनों किनारों पर एक-एक रोड है, जिससे होकर यहां के लोग बाहर निकलते हैं. वहीं, टूरिस्ट भी इन सड़कों से होकर ही इस शहर के अंदर प्रवेश करते हैं. नदी की वजह से ये सड़कें कई किलोमीटर लंबी हैं. उनके किनारे घर बने हुए हैं, लेकिन पुलों की संख्या कम है. लेकिन पहाड़ों के बीच बसे इस शहर में जाने के दौरान ज्यादातर लोगों की हालत खराब हो सकती है. बाढ़ से बचाने के लिए नदी किनारे के बिल्डिंग्स को खंभों के सहारे बनाया गया है, ताकि बाढ़ का पानी उसके नीचे ही रहे. अब आप सोच रहे होंगे कि इतनी मुश्किलों के बीच लोग क्यों रहते हैं? तो बता दें कि यहां पर रहने वाले ज्यादातर लोगों की कई पीढ़ियां यहां रह चुकी हैं. ऐसे में वो इस शहर को छोड़कर नहीं जाना चाहते हैं.

अमेजन नदी में पाई जाती हैं पिंक रिवर डॉल्फिन

पिंक रिवर डॉल्फिन अमेजन नदी में पाई जाने वाली साफ पानी की सबसे बड़ी डॉल्फिन होती हैं. कई खासियातों से भरपूर ये बहुत बुद्धिमान होती हैं और अपने गुलाबी रंग के अलावा आंख खोल कर सोने के लिए मशहूर होती हैं. ये इंसानों को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं, बल्कि उनके साथ खेलती भी है, फिर भी इन्हें अकेलापन पसंद होता है. डॉल्फिन को बिना किसी विवाद के दुनिया के सबसे सुंदर जानवरों में शुमार किया जाता है. ये ना केवल दिमाग की बहुत तेज होती हैं. बल्कि की मामलों में इंसानों को भी समझ सकती हैं. वैज्ञानिक मानते हैं की इनसें बातचीत भी की जा सकती है. लेकिन कम लोग जानते हैं कि इनकी एक अनोखी प्रजाति भी होती है. गुलाबी डॉल्फिन नदियों में मिलने वाली डॉल्फिनों अलग ही स्थान रखती हैं. अमेजॉन पिंक रिवर डॉल्फिन को बोटो या बुफियो या अमेजॉन रिवर डॉल्फिन भी कहा जाता है. केवल साफ पानी में मिलती हैं. ये शर्मीली जीव मानी जाती हैं, स्थानीय बच्चों के साथ उत्सुकता से खेलती हैं, और आक्रामक व्यवहार नहीं दिखाती हैं. इन्हें अकेलापन खास तौर से पसंद है. पिंक रिवर डॉल्फिन पाँच मीठे पानी की प्रजातियों में से सबसे बड़ी और सबसे बुद्धिमान है. एक पूर्ण विकसित डॉल्फिन 2.7 मीटर तक लंबी हो सकती है, इसका वजन 181 किलोग्राम तक हो सकता है और यह 30 साल तक जीवित रह सकती है. उनके पास असामान्य रूप से बड़ा मस्तिष्क भी होता है, जिसमें मनुष्यों की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक मस्तिष्क क्षमता होती है! पिंक रिवर डॉल्फिन अपने गुलाबी रंग के लिए प्रसिद्ध हैं, लेकिन वे इस तरह से पैदा नहीं हुए थे. डॉल्फिन वास्तव में भूरे रंग के होते हैं और उम्र बढ़ने के साथ धीरे-धीरे गुलाबी हो जाते हैं. नर डॉल्फिन मादाओं से ज्यादा गुलाबी होते हैं. और मादाएं इस रंग के प्रति आकर्षित भी ज्यादा होती हैं. गुलाबी नदी डॉल्फ़िन बहुत फुर्तीली होती हैं. उनकी गर्दन और रीढ़ का नाता दूसरी डॉल्फिन से काफी अलग होता है. वे अपने सिर को 90 डिग्री के कोण पर मोड़ सकती है. इस कारण वे जबर्दस्त पैंतरेबाजी कर सकती हैं. वे एक फ्लिपर के पिंक रिवर डॉल्फिन कई दक्षिण अमेरिकी लोककथाओं का विषय है, लेकिन सभी परोपकारी नहीं हैं. ऐसी ही एक किंवदंती का दावा है है कि यदि आप अकेले तैरने जाते हैं, तो डॉल्फिन आपको एक जादुई पानी के नीचे के शहर में ले जा सकती हैं, जिसके कारण स्थानीय लोगों में शाम और भोर के बीच पानी के पास जाने या अकेले जल निकायों में प्रवेश करने का डर है. डॉल्फिन को नुकसान पहुंचाना अपशकुन माना जाता है, और उन्हें खाना और भी बुरा माना जाता है. शरीर से लचीली और दिमाग से तेज होने के बावजूद पिंक रिवर डॉल्फिन दूसरी डॉल्फिन की तुलना में धीमी गति से तैरती हैं. वयस्क गुलाबी नदी डॉल्फ़िन आम तौर पर 8-13 किमी प्रति घंटा की गति से तैरती हैं, कभी-कभी छोटी दूरी पर 24 किमी प्रति घंटा तक की गति से तैरती हैं.